हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

बेटी दिवस की शुभकामनाएं

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 28 सितंबर 2025

STARSHINE

Family

Family **WhatsApp group** mute ho sakte hain...

par **ghar ki khushiyaan** kabhi **mute** nahi honi chahiye.

Aur wahi hum banaye rakhte hain.

www.starshine.co.in | +91 95755 07031

डोंगरगढ़ परिक्रमा पथ में 31 देवियों के दर्शन, हावड़ा के तर्ज पर बनाए सात ब्रिज

पहाड़ों में विराजित मां बम्लेश्वरी के दर्शन करने आने वाले दर्शनार्थियों को अब न केवल मंदिर की परिक्रमा करने की सुविधा मिलेगी, बल्कि इस पथ में उन्हें छत्तीसगढ़ में विराजित 31 देवियों के दर्शन भी होंगे। वन विभाग द्वारा बनाए गए विभिन्न वन्य प्राणियों और पक्षियों के संरक्षण की दिशा में तैयार किए गए परिक्रमा पथ से इको टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजनांदगांव

डोंगरगढ़ स्थित मां बम्लेश्वरी मंदिर में देशभर के लाखों लोग हर साल दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। नवरात्रि में यहां लगने वाले मेले ने भी राज्य में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इसके साथ ही डोंगरगढ़ में प्रज्ञागिरी, चंद्रगिरी और प्रतिभास्थली का निर्माण होने के कारण यहां दर्शनार्थियों की संख्या में काफी वृद्धि देखी जा रही है। केंद्र सरकार द्वारा प्रसाद योजना के तहत जारी की गई राशि से भी यहां विकास काम अंतिम चरणों में चल रहे हैं। इधर राज्य सरकार ने मां बम्लेश्वरी मंदिर की परिक्रमा की नई सुविधा शुरू की गई है। सन 2016 में प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने परिक्रमा पथ के लिए राशि स्वीकृत की थी। एक दशक बाद यह प्रोजेक्ट हाल ही में पूर्ण किया गया है।

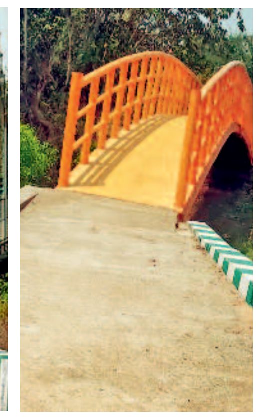

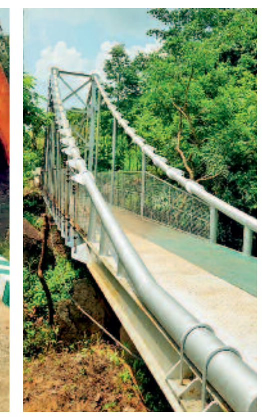

साढ़े तीन किमी का पथ

वन विभाग द्वारा मंदिर की परिक्रमा करते हुए जंगल के बीच से होता हुआ परिक्रमा पथ तैयार किया गया है। जिसकी कुल लंबाई साढ़े तीन किमी है। परिक्रमा पथ के चारों ओर वनों के संरक्षण और संवर्धन के लिए चैनलिंग फेंसिंग का काम भी किया गया है। पहाड़ी की सुंदरता को बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रजातियों के दस हजार पौधों का रोपण किया गया है। इससे परिजात वन, चंदन वन, त्रिफला वन, रुद्राक्ष वन और चम्पा वन तैयार किया गया है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की 25 वीं वर्षगांठ

राज्यपाल ने कहा-विलंब से न्याय की होती है हार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में वर्ष 2025 में अपनी 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर शनिवार को रजत जयंती समारोह का आयोजन कर ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की। इसमें न्याय, संविधानिक मूल्यों एवं विधि के शासन की 25 वर्षों की समर्पित सेवा का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर न्यायालय की स्थापना से लेकर राज्य की न्यायिक प्रणाली की सशक्त स्तंभ बनने की यात्रा को रेखांकित किया गया। यह आयोजन छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल रामेन डेका ने अपने उद्बोधन में कहा कि न्यायपालिका का महत्वपूर्ण अंग बार और बेंच हैं, दोनों के साथ चलने से ही उचित न्याय प्राप्त हो सकता है। न्यायालय का कार्य सत्य की खोज करना है, जबकि अधिवक्ता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी अपने पक्षकार के प्रति होती है। इस प्रकार यद्यपि बार

का कार्य अपने पक्षकार की पैरवी करना होता है, किन्तु उन्हें सत्य की खोज में न्यायालय की सहायता करनी चाहिए। यह देखना होगा कि न्याय केवल सामर्थ्यवान के लिए न हो, अपितु सभी को न्याय प्राप्त हो सके। विलंब से न्याय की हार होती है। ऐसी स्थिति में हमें शीघ्र न्याय की अवधारणा को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है, जिससे लोगों का न्यायालय पर विश्वास बना रहे। अनुच्छेद 39 (क) के तहत निशुल्क विधिक सहायता की अवधारणा के साथ लोगों को दी जा रही विधि सहायता से जनमानस को लाभ प्राप्त हो रहा है।

उत्कृष्टता और सुधार के प्रति प्रतिबद्धता का गौरवपूर्ण प्रतीक- चीफ जस्टिस

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने इस दौरान अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की रजत जयंती के अवसर पर यह क्षण न केवल न्यायिक सेवा के 25 वर्षों का उत्सव है, बल्कि इन ऐतिहासिक वर्षों की असाधारण उपलब्धियों की स्वीकृति भी है। उच्च न्यायालय ने अपने प्रशासन द्वारा न्याय को सुदृढ़ बनाते हुए लंबित मामलों को उल्लेखनीय रूप से कम किया है और न्यायिक अवसंरचना को सशक्त किया है, जिससे न्याय को मजबूती मिली है। विशेष रूप से सक्रिय जनभागीदारी के माध्यम से, जो उत्कृष्ट न्याय की दिशा में प्रत्यक्ष उपाय प्रदान कर रही है और आमजन की आवश्यकताओं को पूरा कर रही है।

साय बोले-हाईकोर्ट ने दिए ऐतिहासिक निर्णय

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बिलासपुर को एक नई पहचान छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने दी है, जो अब न्यायधानी के रूप में जानी जाती है। छत्तीसगढ़ राज्य में उच्च न्यायालय की स्थापना के पश्चात युवाओं को लॉ क्षेत्र में करियर बनाने के नए अवसर मिले हैं। यह खुशी की बात है कि उच्च न्यायालय से लेकर जिला न्यायालयों में चल रहे प्रकरणों के निराकरण में काफी तेजी आई है। न्यायिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने लाइव स्ट्रीमिंग एवं डिजिटल उपस्थिति जैसे नवाचारों को प्रोत्साहित किया है। डिजिटल रिकॉर्ड रूम, एआई आधारित सर्च और न्यायिक प्रशिक्षण के नए मॉड्यूल अपनाए जा रहे हैं। अपने 25 वर्षों की इस गौरवशाली यात्रा में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने ऐसे ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं जो पूरे देश में नजीर के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं।

डीएफ व कोबरा बटालियन की संयुक्त टीम को मिली सफलता

कोईमेंटा के जंगल में नक्सलियों की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री ध्वस्त, हथियार जब्त

नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में संयुक्त सुरक्षाबलों की टीम ने कोईमेंटा के जंगल में संचालित नक्सलियों की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री ध्वस्त कर दिया है। मौके से भारी मात्रा में विस्फोटक व हथियार निर्माण सामग्री बरामद किया गया है। जंगल में नक्सलियों ने हथियार और विस्फोटक बनाने की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री संचालित कर रखा था। इस कार्रवाई से नक्सलियों की सुरक्षाबलों पर बड़े हमले की साजिश को नाकाम कर दिया है। भारी मात्रा में हथियार निर्माण के उपकरण, बारूद, विस्फोटक व अन्य सामग्री बरामद किया है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बरामदगी को नक्सल उन्मूलन अभियान में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

खास खबर

नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर 26 सितम्बर को मेट्टागुड़ा कैम्प से जिला बल व कोबरा 203 बटालियन की संयुक्त टीम रवाना हुई थी। टीम ग्राम ईरापल्ली व कोईमेंटा के घने जंगलों व पहाड़ियों में गहन तलाशी अभियान चला रही थी। इसी दौरान शनिवार सुबह लगभग 11 बजे जवानों को जंगल के अंदर नक्सलियों की एक अवैध ऑर्डिनेंस फैक्ट्री मिली। नक्सली यहां बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (बीजीएल) व अन्य हथियार तैयार कर रहे थे। टीम ने फैक्ट्री को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। यह ऑपरेशन नक्सलियों की रीढ़ तोड़ने की दिशा में एक और कदम है जो लगातार चल रहे एंटी-नक्सल अभियान का हिस्सा है।

बरामद सामग्री में यह उपकरण मिले

सुरक्षाबल ने कोईमेंटा के जंगल से भारी मात्रा में विस्फोटक व हथियार निर्माण सामग्री बरामद किया है। बरामद सामान में वर्टिकल मिलिंग मशीन, बेंच वाइस, बीजीएल लॉन्चर, बीजीएल सेल, बीजीएल हेड्स, हैंड ग्राइंडर मशीन, रायफल बट,भरमार का ट्रिगर मैकेनिज्म, भरमार ट्रिगर मैकेनिज्म पिस्टल ग्रिप, सोलर बैटरी, बोरवेल ड्रिलिंग बिट, गैस कटर हेड्स, डायरेक्शनल आईईडी पाइप्स, मेटल मोल्डिंग पाट्स, एल्युमिनियम पॉट, आयरन कटर व्हील्स, टैपिंग रॉड, आयरन स्टैण्ड, स्टील पाइप पीस व आयरन स्क्रैप्स एवं सामान शामिल है।

हिंदू संगठनों के विरोध के बाद रद्द हुआ एल्विस का कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

शारदीय नवरात्रि के दौरान डांडिया गरबा कार्यक्रम में एल्विस यादव और अंजलि अरोरा जैसे कलाकारों को बुलाए जाने का हिंदू संगठनों ने कड़ा विरोध किया है। डांडिया गरबा कार्यक्रम में अश्लीलता और फूहड़ता परोसने का आरोप लगाकर हिन्दू संगठनों ने कलाकारों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उनके पोस्टर जलाए। इतना ही नहीं डांडिया कार्यक्रम में पहुंचे एल्विस यादव को लोगों ने घेर लिया। इस दौरान वे किसी तरह अपनी गाड़ी से भाग निकले। इस विरोध प्रदर्शन के बाद एल्विस यादव के कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है जबकि अंजलि अरोरा का कार्यक्रम भी रद्द होने संभावना जताई जा रही है।

स्थिति सामान्य

एल्विस यादव का कार्यक्रम रद्द हो गया है और वे वापस लौट गए हैं। अब स्थिति सामान्य है।

-अमोलक सिंह ढिल्लो
एएसपी सरगुजा

एनआईए ने पिता-पुत्र कार्यकर्ताओं पर आरोपपत्र दायर किया

जगदलपुर। एनआईए ने 2023 के रतन दुबे हत्याकांड में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) आतंकी संगठन के दो कार्यकर्ताओं के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। जगदलपुर स्थित एनआईए की विशेष अदालत में दायर दूसरे पूरक आरोपपत्र में शिवानंद नाग और उनके पिता नारायण प्रसाद नाग पर आईपीसी अधिनियम और यूए (पी) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। दोनों को दुबे की नृशंस हत्या से संबंधित आपराधिक साजिश में सक्रिय रूप से शामिल पाया गया। एनआईए की जांच के अनुसार नाग भाकपा (माओवादी) के सक्रिय कार्यकर्ता थे और रतन दुबे के साथ उनकी पहले से ही राजनीतिक, व्यावसायिक और व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता थी।

ट्रांसपोर्टर और उसकी मां की सड़क हादसे में मौत

कोरबा। शहर के युवा ट्रांसपोर्टर अमन बाजवा उर्फ तलविंदर सिंह और उनकी मां की सड़क हादसे में मौत हो गई। यह घटना मध्य प्रदेश के चित्रकूट के पास बुंदेलखंड नेशनल हाईवे पर घटित हुई है। इस सड़क हादसे में अमन बावजा के मौसा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। ट्रांसपोर्टर अमन बाजवा 34 वर्ष अपनी मां और मौसा के साथ स्कॉर्पियो से पंजाब जा रहे थे। वे अपनी पत्नी और बच्चों से मिलने पंजाब जा रहे थे। अमन बाजवा दीपका थाना क्षेत्र के झाबर में निवास करते थे। चित्रकूट में बुंदेलखंड नेशनल हाईवे पर हुए इस हादसे में मां और बेटे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। राहगीरों ने इसकी सूचना तत्काल संबंधित पुलिस थाना और एंबुलेंस को दी।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार, 28 सितंबर 2025

41 साल बाद एशिया कप फाइनल में भिड़ेंगे भारत-पाक, दुबई में आज महामुकाबला!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत एशिया कप 2025 के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा, जो 28 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के 41 साल के इतिहास में भारत और पाकिस्तान के बीच यह पहला एशिया कप फाइनल होगा, जो इस मुकाबले में रोमांच का एक और स्तर जोड़ देगा।

4 फैक्टर्स तय करेंगे रिजल्ट

- पिच और टॉस से जुड़ा कनफ्यूजन
- भारत की ओपनिंग जोड़ी
- पाकिस्तान के तेज गेंदबाज
- भारत की स्पिन तिकड़ी

आज रात्रि 8 बजे से, दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम

ये हैं सबसे ज्यादा बार भिड़ने वाली टीमें

एशिया कप इतिहास में सबसे ज्यादा बार आपस में फाइनल में भिड़ने का रिकॉर्ड भारत और श्रीलंका के नाम दर्ज है। दोनों टीमों की फाइनल में कुल 9 बार भिड़ंत हुई है। भारत और श्रीलंका ने एशिया कप के पिछले संस्करण का फाइनल खेला था। बता दें कि भारत टूर्नामेंट की सफल टीम है, जिसने अब तक आठ खिताब जीते हैं। उसके बाद श्रीलंका (6 ट्रॉफी) है।

16 संस्करण में कभी नहीं खेला फाइनल

भारत-पाकिस्तान की टीमें एशिया कप इतिहास में पहली बार आपस में खिताबी मुकाबला खेलेंगी। साल 1984 से टूर्नामेंट का आयोजन हो रहा लेकिन पिछले 16 संस्करण में चिर प्रतिद्विंदी टीमों ने कभी आपस में फाइनल नहीं खेला था। भारतीय टीम दुबई में पाकिस्तान को रौंदकर नौवीं बार एशिया कप खिताब जीतने उतरेगी।

विजय की रैली में भगदड़, आठ बच्चों 16 महिलाओं समेत 38 ने गंवाई जान

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख और अभिनेता विजय की रैली में भगदड़ मच गई। रैली में भगदड़ से 36 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में आठ बच्चे, 16 महिलाएं शामिल हैं। करूर के अस्पतालों में अफरातफरी मच गई है। पुलिस ने रैली में पहुंची भीड़ को हटाने के लिए लाठीचार्ज किया। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घटना पर चिंता जताई और तत्काल जांच और मेडिकल मदद के आदेश दिए हैं।

एजेंसी ▶▶| करूर

अभिनेता से राजनेता बने विजय को देखने के लिए भारी भीड़ जमा हुई थी। जब विजय सभा को संबोधित कर रहे थे, तब भीड़ बढ़ती गई और बेकाबू हो गई तथा पार्टी कार्यकर्ताओं और कुछ बच्चों समेत कई लोग बेहोश होकर गिर पड़े। कई कार्यकर्ताओं ने स्थिति को भांप लिया और शोर मचाया। विजय ने ध्यान दिया और अपना भाषण रोककर, खासतौर पर बनाई गई प्रचार बस के ऊपर से लोगों तक पानी की ▶▶|शेष पेज 5 पर

- तमिलनाडु के करूर में बड़ा हादसा, 50 से ज्यादा घायल
- भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने किया लाठीचार्ज
- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने तमिलनाडु सरकार से मांगी रिपोर्ट

न्यायिक जांच आयोग

करूर भगदड़ की गहन जांच करने और सरकार को रिपोर्ट सौंपने के लिए सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस अरुणा जगदीसन के तहत एक सदस्यीय जांच आयोग का गठन किए जाने की बात सामने आई है।

तय सीमा से दोगुनी भीड़ जुटी

पुलिस सूत्रों के अनुसार, रैली में भीड़ का अनुमान शुरुआती आंकड़ों से कहीं ज्यादा रहा। प्रशासन ने 30,000 लोगों की अनुमति दी थी, लेकिन स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार करीब 60,000 लोग पहुंच गए। यह आयोजन स्थल पहले करूर के मध्य में होना था, लेकिन भीड़ और यातायात को लेकर चेतावनी के बाद इसे बदला गया था।

कैसे मची भगदड़

रैली में लगभग 60 हजार से अधिक लोग मौजूद थे। भगदड़ उस समय शुरू हुई, जब रैली में एक 9 साल की बच्ची लापता हो गई। लोग उसकी तलाश में एक ही दिशा में तेजी से बढ़ने लगे। भारी संख्या में सुरक्षाकर्मी मौजूद होने के बावजूद, अचानक लोगों के एक तरफ बढ़ने से स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई।

मुआवजे की घोषणा

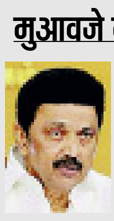

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। मृतकों के परिवारों को मुख्यमंत्री लोक राहत कोष से 10-10 लाख रुपए दिए जाएंगे और अस्पतालों में इलाज करा रहे प्रत्येक व्यक्ति को 1-1 लाख रुपए दिए जाएंगे।

राष्ट्रपति और पीएम ने जताया दुख

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी ने घटना पर गहरा शोक जताया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी हादसे पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह घटना बेहद दुखद है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दुख जताया।

शाह से सीएम स्टालिन से बात की

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तमिलनाडु के करूर में भगदड़ के बाद की स्थिति का जायजा लेने के लिए राज्यपाल रवि और मुख्यमंत्री स्टालिन से बात की, हरसंभव केंद्रीय मदद का आश्वासन दिया।

विजय ने घटना के बाद किया पहला पोस्ट

रैली में हुई भगदड़ पर विजय एक्स अकाउंट पर लिखते हैं, 'मेरा मन टूट गया है। मैं असहनीय, ना बताई जा सकने वाली पीड़ा और दुख से छटपटा रहा हूं। इस बात को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मैं अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करता हूं।

लद्दाख के पुलिस महानिदेशक ने किया बड़ा खुलासा

वांगचुक के पाकिस्तान कनेक्शन जासूस के साथ संबंध का दावा

एजेंसी ▶▶| लेह

लद्दाख के हिंसा प्रभावित लेह शहर में कर्फ्यू लगाए जाने के तीन दिन बाद शनिवार को 4 घंटे के लिए प्रतिबंधों में ढील दी गई। इससे आवश्यक वस्तुओं की दुकानों के बाहर कतार में खड़े निवासियों को राहत मिली। इधर, लद्दाख के पुलिस महानिदेशक डॉक्टर एसडी सिंह जामवाल ने दावा किया है कि वांगचुक के पाकिस्तान से संबंध थे और उनके पास इसके रिकॉर्ड हैं। वांगचुक की बांग्लादेश यात्रा पर भी सवाल उठाए हैं। लद्दाख के पुलिस महानिदेशक एस.डी. सिंह जामवाल ने कहा कि कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के पाकिस्तानी खुफिया एजेंट की पिछले माह हुई गिरफ्तारी के संदर्भ में, पुलिस वांगचुक के पाकिस्तान से कथित संबंधों की जांच कर रही है।

लद्दाख में क्यों भड़की हिंसा?

लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लंबे समय से प्रदर्शन हो रहे हैं। छात्रों और स्थानीय लोगों ने बंद बुलाया था। इसी दौरान हिंसा भड़क गई थी। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा कार्यालय और सीआरपीएफ वाहन में आग लगा दी थी।

डिवाइडर से टकराई थार, पांच की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। मृतकों और घायलों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। हादसा दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे निकास संख्या नौ पर हुआ जब तेज रफ्तार थार में सवार चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और वाहन सीधे डिवाइडर से टकरा गया।

योगी बोले-मौलाना भूल गया शासन किसका है

लखनऊ। बरेली में शुक्रवार को हुए बवाल के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेहद सख्त टिप्पणी की है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा, आपने देखा होगा कल बरेली के अंदर वह मौलाना भूल गया कि शासन किसका है। वह मानता था कि धमकी देंगे और हम जबरदस्ती जाम कर देंगे।

पाकिस्तानी नागरिक को बीएसएफ ने वापस भेजा

जम्मू। बीएसएफ ने हाल में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पकड़े गए एक पाकिस्तानी नागरिक को वापस भेज दिया। पाकिस्तान निवासी मोहम्मद अकरम को 25 सितंबर को जम्मू शहर के बाहरी इलाके में आर एस पुरा सेक्टर से हिरासत में लिया गया था। अकरम अनजाने में भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर गया था। घुसपैठिये के पास से आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई।

बंगाल के बहरामपुर के खागरा श्मशान घाट दुर्गा पूजा समिति ने अपने 59वें दुर्गोत्सव समारोह के लिए एक अनोखे थीम के साथ सुर्खियां बटोरी हैं। इस वर्ष की पूजा में प्रसिद्ध कलाकार असीम पाल द्वारा बनाई गई डोनाल्ड ट्रंप के रूप में असुर की मूर्ति आकर्षण का केंद्र बनी है।

बंगाल के दुर्गा पंडाल में असुर के रूप में दिखाए गए ट्रंप

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

इस मूर्ति को देखने के लिए लोग भारी संख्या में उमड़ रहे हैं। पूजा समिति के आयोजकों के अनुसार, 'ट्रंप के रूप में असुर की मूर्ति अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत के साथ किए गए कथित विश्वासघात को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप को मित्र माना और विदेश नीति के मुद्दों पर सहयोग किया, लेकिन ट्रंप के कार्यों को भारत के हितों के लिए हानिकारक माना गया है। यह भावना मूर्ति में व्यक्त की गई है, जो भारत के साथ ट्रंप के जटिल रिश्तों को दर्शाती है।'

- आयोजकों ने कहा– 'उन्होंने भारत की पीठ में छुरा घोंपा है'
- बहरामपुर के एक अनोखे थीम ने देशभर में बटोरीं सुर्खियां
- भारत पर दुर्भावनावश टैरिफ लगाने से नाराज है पूरा हिंदुस्तान

ट्रंप की बनाई गई थी कभी मूर्ति

बहरामपुर नगर पालिका के मेयर नरु गोपाल मुखर्जी द्वारा पूजा मंडप के उद्घाटन समारोह में भारी भीड़ उमड़ी। यह पहला मौका नहीं है जब डोनाल्ड ट्रंप को अनोखे तरीके से दर्शाया गया हो. वर्ष 2018 में, तेलंगाना के एक किसान बुस्सा कृष्णा ने ट्रंप के लिए एक मंदिर बनाया था, जिसमें उनकी छह फीट की मूर्ति स्थापित की गई थी और रोजाना पूजा की जाती थी। कृष्णा का मानना था कि ट्रंप समृद्धि और भारत-अमेरिका संबंधों में मजबूती लाएंगे।

देश के साथ किया विश्वासघात

खागरा श्मशान घाट दुर्गा पूजा समिति के सदस्य प्रतीक ने कहा, 'हमने यह मूर्ति इसलिए बनाई क्योंकि ट्रंप ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाकर हमारे पीएम मोदी, जो उन्हें दोस्त मानते थे, और हमारे देश भारत के साथ विश्वासघात किया। इसलिए हमने डोनाल्ड ट्रंप को असुर के रूप में दर्शाया। कल उद्घाटन के समय हमारे पड़ोस और आसपास के लोगों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली. हमें बहुत अच्छा समर्थन मिला है। हम उन्हें असुर के रूप में देखते हैं क्योंकि उन्होंने भारत की पीठ में छुरा घोंपा है।'

खबर संक्षेप

अबूधाबी से बाबर खालसा के आतंकी का प्रत्यर्पण

नई दिल्ली। बाबर खालसा इंटरनेशनल के आतंकवादी परविंदर सिंह उर्फ पिंडी को अबू धाबी से भारत के लिए प्रत्यर्पित कर लिया गया है। पंजाब के डायरेक्टर जनरल पुलिस, गौरव यादव ने इस बारे में एक विस्तृत बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि प्रत्यर्पण की प्रक्रिया इसलिए सफल रही, क्योंकि पंजाब पुलिस और दूसरी केंद्रीय एजेंसियों ने मिलकर बेहतर तालमेल के साथ काम किया था। अब जानकारी के लिए बता दें कि पिंडी के कनेक्शन विदेशी मूल के आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रंदा और हैप्पी पसिया से जुड़ते हैं। ये सभी आतंकी कई अपराधों में शामिल रह चुके हैं।

मणिपुर, नगालैंड, अरुणाचल में बढ़ाई गई एफ्सपा

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने बड़ा कदम उठाते हुए मणिपुर, नगालैंड, अरुणाचल में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) बढ़ा दिया है।मणिपुर में कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति को देखते हुए 13 पुलिस थानों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों को छोड़कर राज्य के बाकी हिस्सों में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) की अवधि शुक्रवार को छह महीने के लिए बढ़ा दी गई।

बीएमडब्ल्यू दुर्घटना गगनप्रीत को जमानत

नई दिल्ली। बीएमडब्ल्यू दुर्घटना मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने आरोपी गगनप्रीत को जमानत दे दी है। अदालत ने आरोपी को 1 लाख रुपये के मुचलके पर जमानत मंजूर की। इसके साथ ही दो अन्य जमानतकर्ताओं की शर्तें पूरी करनी होंगी। कोर्ट की यह कार्रवाई तब हुई जब आरोपी ने अपनी जमानत अर्जी में स्वास्थ्य और पारिवारिक परिस्थितियों का हवाला दिया। जमानत देते समय कुछ शर्तें लगाई गई हैं, जिनमें पासपोर्ट जमा करना और हर सुनवाई में अदालत में उपस्थित रहना शामिल है।

यूएनजीए का 80वां सत्र : संयुक्त राष्ट्र में पड़ोसी देश को जमकर धोया

पाक टेररिज्म की फैक्टरी, यहां आतंकवादियों का किया जाता है खुला गुणगान : जयशंकर

एजेंसी ⏭ न्यूयार्क

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने आतंकवाद के मुद्दे पर जमकर पाकिस्तान को घेरा। उन्होंने कहा कि भारत ने आजादी के बाद से ही एक ऐसे पड़ोसी का सामना किया है जो वैश्विक आतंकवाद का अड्डा बना हुआ है। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तान इंडस्ट्रियल स्केल पर आतंकवाद ऑपरेट कर रहा है। हमारा पड़ोसी देश आतंकवाद का केंद्र बन गया है और पहलगाम हमला इसका उदाहरण है। जयशंकर ने जोर देकर कहा कि आतंकवाद के पूरे तंत्र पर लगातार दबाव डालना जरूरी है ताकि इसे पूरी तरह खत्म किया जा सके। 'जब देश खुलेआम आतंकवाद को राज्य नीति घोषित करते हैं, जब आतंकवादी फैक्ट्रियां औद्योगिक पैमाने पर काम करती हैं, जब आतंकवादियों का खुला गुणगान किया जाता है, तो ऐसी हरकतों की स्पष्ट निंदा होनी चाहिए।' जयशंकर ने आतंकवाद पर पाकिस्तान की भूमिका, पहलगाम हमले, आतंकियों के वित्तपोषण और उनके सार्वजनिक महिमामंडन को निंदा की. उन्होंने कहा, 'दशकों से, बड़े अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी हमले उसी एक देश से जुड़े हैं।

- दशकों से बड़े अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी हमले इसी एक देश से जुड़े हैं
- यूएन को भी दी नसीहत कहा, अधिकांश सदस्य देश अब चाहते हैं सुधार

बताईं भारत की प्राथमिकताएं

महासभा में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए जयशंकर ने सुरक्षा परिषद में स्थायी और अस्थायी सदस्यता विस्तार और परिषद को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सतत विकास, जलवायु परिवर्तन, व्यापार और खाद्य-सुरक्षा पर भारत की प्राथमिकताओं का जिक्र किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताई और इसे संकटपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अधिकांश सदस्य देश यूएन में सुधार चाहते हैं और इसकी प्रक्रियाओं को मजबूत बनाने की जरूरत है।

इस तरह की भाषण की शुरुआत

यूएनजी के मंच से जयशंकर ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा, 'नमस्कार फ्रॉम द पीपल ऑफ भारत'. उसके बाद उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की स्थापना पर प्रकाश डाला। जयशंकर ने यूएन के अभी तक के सफर की चर्चा करते हुए कहा कि अब यह बड़े ग्लोबल मुद्दों पर चर्चा का अहम मंच बन गया है। जयशंकर ने यह सवाल भी उठाया कि क्या यूएन दुनिया की अपेक्षाओं पर खतरा उतरने में सफल रहा है?

'अगर तबाह रनवे... जले हैंगर है जीत तो पाक को इसे मनाने का पूरा हक'

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जमकर झूठ बोला और उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भारत के खिलाफ किया जीत का दावा, जिसके बाद भारत ने उसके दावे पर करारा जवाब दिया है। शरीफ के भाषण पर भारत की तरफ से भारतीय राजनयिक पेटल गहलोत ने कहा कि इस सभा ने सुबह-सुबह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की बेतुकी नौटंकी देखी, भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन की फर्स्ट सेक्रेटरी गहलोत ने संयुक्त राष्ट्र में शहबाज शरीफ के 'हमने युद्ध जीत लिया' वाले दावे का मजाक उड़ाते हुए कहा 'अगर तबाह रनवे और जले हुए हैंगर को प्रधानमंत्री शरीफ की तरह जीत माना जाए तो पाकिस्तान को इसे मनाने का पूरा हक है।

ओसामा को पनाह देने वाला देश : पेटल ने पाकिस्तान के आतंकवाद को संरक्षण देने के पुराने रिकॉर्ड को याद दिलाते हुए कहा कि यह वही देश है जिसने ओसामा बिन लादेन जैसे दुर्दांत आतंकवादी को एक दशक तक अपने यहाँ पनाह दी. गहलोत ने शहबाज शरीफ के उन दावों को भी खारिज किया जिसमें उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना के विमान गिराने की बात कही थी.

चार देशों की यात्रा पर निकले राहुल, छात्रों-व्यापारियों से संवाद

नई दिल्ली। लोकसभा के विपक्षी नेता राहुल गांधी ने दक्षिण अमेरिका का दौरा शुरू कर दिया है। इस यात्रा में वे चार देशों में जाकर वहां के राजनीतिक नेताओं, कॉलेज के छात्रों और व्यापारियों से मिलेंगे। कांग्रेस पार्टी के मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने यह जानकारी दी है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि राहुल गांधी कितने दिन के लिए विदेश गए हैं। पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी का यह दौरा बहुत महत्वपूर्ण है। इस यात्रा में वे राजनीतिक नेताओं, यूनिवर्सिटी के छात्रों और व्यापारिक समुदाय के लोगों के साथ बातचीत करेंगे। राहुल गांधी खासकर ब्राज़ील और कोलंबिया देश जाएंगे। वहां वे कॉलेज के छात्रों से मिलकर उनसे बात करेंगे।

इनसे होगी मुलाकात

इस दौरे में राहुल गांधी कई महत्वपूर्ण लोगों से मिलेंगे, जिनमें विभिन्न देशों के राष्ट्रपति और बड़े नेता, यूनिवर्सिटी के छात्र, व्यापारिक नेता और कंपनी के मालिक. पार्टी का कहना है कि इन मुलाकातों से भारत के लोकतांत्रिक और रणनीतिक रिश्ते मजबूत होंगे।

व्यापार के नए अवसर तलाशना

कांग्रेस ने बताया कि राहुल गांधी व्यापारिक नेताओं से भी बातचीत करेंगे। इसका मकसद यह है कि अमेरिका की टैरिफ नीति के कारण भारत को अपने व्यापार के लिए नए रास्ते खोजने होंगे। इस दौरे से भारत को नए व्यापारिक साझेदार मिल सकते हैं। राहुल गांधी ब्राज़ील, कोलंबिया और अन्य देशों के यूनिवर्सिटी में जाकर छात्रों से बात करेंगे। कांग्रेस का कहना है कि यह भविष्य के वैश्विक नेताओं के साथ विचार-विमर्श को बढ़ावा देगा।

विमान के टॉयलेट में जलाई सिगरेट, यात्रियों में हड़कंप

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 25 वर्षीय युवक को अरेस्ट किया गया है। यह पैसेंजर फुकेट से मुंबई आ रही फ्लाइट के टॉयलेट में सिगरेट पीते हुए मिला था। घटना के दौरान जब धुआं नजर आया तो फ्लाइट में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। एजेंसी के अनुसार, पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार यात्री की पहचान भव्य गौतम जैन के रूप में हुई है, जो साउथ मुंबई के नपीन्सिया रोड का रहे वाला है। फ्लाइट जब मुंबई में लैंड हुई तो उसे तुरंत हिरासत में लिया गया। जांच में पता चला कि जैन ने प्लेन के टॉयलेट में सिगरेट जलाई थी।

- मुंबई में लैंड होते ही युवक गिरफ्तार

एयरलाइन को दिए गए निर्देश

इस मामले में पुलिस ने बताया कि इस प्रकार की घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए एयरलाइन कंपनियों और एअरपोर्ट के सुरक्षा कर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि यात्री के खिलाफ कार्रवाई पूरी होने तक उसे हिरासत में रखा जाएगा। यात्रियों से अपील की गई है कि वे किसी भी सुरक्षा नियम का उल्लंघन न करें और फ्लाइट क्रू के निर्देशों का पालन करें।

सऊदी के साथ समझौते में परमाणु हथियार शामिल नहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सऊदी अरब के साथ हाल में हुए रक्षा समझौते के चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने बताया कि सऊदी अरब के साथ हाल में हुए रक्षा समझौते से दोनों देशों के रिश्तों को एक नई दिशा मिली है। उनके अनुसार यह समझौता उन संबंधों को औपचारिक रूप देता है जो पहले मुख्य रूप से 'लेन-देन' आधारित थे। पिछले सप्ताह रियाद में हुए इस 'सामरिक आपसी रक्षा समझौते' के तहत एक महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि अगर किसी एक देश पर आक्रमण होता है तो इसे दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। यह दोनों देशों की सुरक्षा को जोड़ने वाला एक अहम कदम है। समझौते को लेकर परमाणु हथियारों के सवाल पर ख्वाजा आसिफ ने साफ किया कि ये हथियार इस समझौते का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने पहले यह संकेत दिया था कि पाकिस्तान की परमाणु क्षमताएं सऊदी अरब के लिए उपलब्ध हो सकती हैं, लेकिन बाद में इस बात को स्पष्ट कर दिया।

बरेली बवाल में उभर रहे सुलगते सवाल

मौलाना तौकीर समेत 8 गए जेल 10 मुकदमे दर्ज और इंटरनेट बंद

एजेंसी ⏭ बरेली

यहां बवाल के बाद पुलिस ने शनिवार को मौलाना तौकीर रजा खां समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आठों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि जुमे की नमाज के बाद अलग-अलग जगहों पर हिंसक प्रदर्शन किया। इसमें अब तक कुल 10 एफआईआर दर्ज की गई हैं। कोतवाली में पांच, बारादरी में दो, थाना किला, प्रेमनगर और कैंट में एक-एक एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस 39 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

22 पुलिसकर्मी हुए घायल सुनियोजित साजिश की

डीआईजी अजय कुमार साहनी के अनुसार घटना में 22 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। जिस तरह से भीड़ बैनर लेकर निकली और पथराव किया उससे सुनियोजित साजिश का संकेत मिलता है। घटना के वीडियो और तस्वीरों के आधार पर इसमें शामिल सभी लोगों की पहचान की जाएगी और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मौलाना ने रात में जारी किया था वीडियो

बवाल के बाद मौलाना तौकीर रजा खां ने शुक्रवार रात 10:20 बजे वीडियो जारी कर कहा है कि अतीक और अशरफ की तरह मुझे गोली मार दो, मोहम्मद के नाम पर मरना कबूल है। उन्होंने कहा कि वे अब तक नजरबंद हैं। उन्होंने मुबारकबाद पेश करते हुए घटना को साजिश करार दिया। मौलाना ने कहा कि मैं आशिकाने रसूल को मुबारकबाद पेश करता हूं। ऐसे खतरनाक समय में इश्क-ए रसूल के नाम पर आप लोग आए। हमने अमन का रास्ता इख्तियार किया था।

भाजपा चुन-चुन कर एक-एक घुसपैठिया बाहर करेगी, बिहारवासियों को मनानी है 4 दिवाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ अररिया

बिहार विधानसभा चुनाव के तारीखों के ऐलान के पहले प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। राजनीतिक पार्टियां अपनी पूरी ताक़त इस चुनाव में झोंक दे रही है। शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बिहार के अररिया दौरे के दौरान चुनावी अभियान को आकार देना शुरू कर दिया है। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने बिहार के चुनाव को लेकर इस बार चार दीपावली मनाने का संदेश दिया है। अमित शाह ने जनसभा में 'जय श्रीराम' के नारे लगवाए और कहा कि 'बीजेपी चुन-चुन कर एक-एक घुसपैठिया को देश से बाहर करेगी।' गृहमंत्री ने लालू प्रसाद के कार्यकाल की आलोचना करते हुए कहा कि जब वे सत्ता में थे, तब राम मंदिर के निर्माण में देरी की गई। मोदी सरकार ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनवाया, जल्द ही वहां ध्वजा भी लगेगी।

चार दीपावली क्यों?

पहली – जब प्रभु श्रीराम अयोध्या लौटे थे।

दूसरी – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल 75 लाख जीविका दीदियों के खाते में 10,000 रुपये भेजे.

तीसरी – जीएसटी में 395 से ज्यादा चीजों के दाम कम या शून्य किए गए।

चौथी – एनडीए-बीजेपी की सरकार 160 से ज्यादा सीटों के साथ बनाकर

घुसपैठियों को लेकर चल रही है सियासी बहस

अमित शाह ने राहुल गांधी और लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला करते हुए कहा कि ये दोनों घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं जबकि बीजेपी उन्हें देश से बाहर निकालना चाहती है। 'राहुल गांधी कान खोलकर सुन लें, बिहार हो या देश का कोई भी कोना, बीजेपी का संकल्प है कि चुन-चुनकर एक-एक घुसपैठिए को देश से बाहर करेंगे।'

तेजस्वी ने पेश किया 'रिसपेक्ट' मॉडल बीजेपी पर जमकर साधा निशाना

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने एक अतिपिछड़ा अधिकार संवाद में नीतीश कुमार और भाजपा पर बड़ा हमला बोला। तेजस्वी ने कहा कि उन्हें संवाद करने का अवसर मिला है और उनका लक्ष्य है नया बिहार बनाना। उन्होंने कहा कि, 'बिहार तभी विकसित होगा जब यहां पढ़ाई, दवाई, कमाई, सिंचाई और सुनवाई वाली सरकार होगी।' उन्होंने कहा कि वह बिहार को 'रिसपेक्ट' दिलाएंगे। तेजस्वी ने कहा कि उनके नेता कर्पूरी ठाकुर ने सबसे पहले पिछड़ों को आरक्षण दिलाने का काम किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि आज जो लोग केंद्र की सरकार में बैठे हैं, उन्होंने कर्पूरी जी को गालियां दी थीं।

यह है रिसपेक्ट मॉडल

आर– रोजगार, ई – एजुकेशन, एस –स्वास्थ्य, पी– पलायन मुक्त बिहार, ई– इक्वालिटी, सी– क्राइम मुक्त, टी- टेक्नोलॉजी एंड टूरिज्म

कपिल से मांगी 1 करोड़ की रंगदारी, गिरफ्तार

मुंबई। कॉमेडियन कपिल शर्मा पिछले कुछ महीनों से सुर्खियों में हैं। पहले उनके कनाडा वाले नए रेस्टोरेंट पर कुछ कथित गैंगस्टर्स ने गोलियां चलाई थीं। और अब उन्हें धमकी मिली है।

साथ ही 1 करोड़ रुपये की रंगदारी भी मांगी गई है। हालांकि मुबई क्राइम ब्रांच ने आरोपी को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया है। जिसका नाम दिलीप चौधरी है और उसने कथित तौर पर कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा और गोल्डी बरार के नाम पर शर्मा को धमकाया और उनसे एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी।

डॉ. वाशानी दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

Since-2000 केश शिखा ® (हर्बल ट्रीटमेंट)
हर्बल ट्रीटमेन्ट आईल 100 ml.
प्रोप्रायटरी – आयुर्वेदिक ऑईल
बालों का झड़ना रोकता है बाल काले, घने व मुलायम भी बनाता है
सभी आयुर्वेदिक एवं ऐलोपैथिक दुकानों में उपलब्ध।
Customer Care No. - 9425296176

हरिभूमि छत्तीसगढ़ के डायग्नोस्टिक सेन्टर
THE DIAGNOSTIC CARE
दि अमेरिकन लेबोरेटरी अ सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
ट्यूबरक्युलोसिस मध्यभारत का सबसे बड़ा सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
• जीनएक्सपर्ट/सीबीएनएटी (टीएटी- 12-24 घंटे) बलगम
• क्वांटिफेरॉन-टीबी गोल्ड प्लस (क्यूएफटी प्लस) (टीएटी-48 घंटे) खून
• एएफबी कल्चर (एमजीआईटी320) (टीएटी- 21-42 दिन)
पता- सीटी कोतवाली के पास, सीएसईबी ऑफिस के सामने, बुढ़ापारा, रायपुर 492007
मो. 8098518020, 9004051230, 7828184773
विज्ञापन हेतु संपर्क करें - 9303508130, 9302016344, 7909631282

रायपुर

रविवार, 28 सितंबर 2025

आश्विन शुक्ल पक्ष षष्ठी

वर्ष : 24, अंक : 73

पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम

अधि. 31.0

न्यून. 23.9

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बीएसएनएल का देश में स्वदेशी 4जी

पीएम मोदी ने दी सौगात, ओडिशा से देश के 97 हजार मोबाइल साइट को जोड़ा

एजेंसी ▶▶| झारसुगुड़ा

दूरसंचार अवसंरचना को मजबूती देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नेटवर्क का उद्घाटन किया, जिससे भारत दूरसंचार उपकरण बनाने वाले प्रतिष्ठित देशों की सूची में शामिल हो गया। बीएसएनएल की रजत जयंती के अवसर पर पीएम ने 97,500 से अधिक 4जी मोबाइल टावरों का भी उद्घाटन किया।

इन देशों में शामिल हुआ भारत

भारत के अलावा स्वीडन, डेनमार्क, चीन और दक्षिण कोरिया ही टेलीकॉम नेटवर्क के लिए हार्डवेयर के साथ-साथ सॉफ्टवेयर बनाते हैं। बीएसएनएल की 4जी सर्विस लॉन्च होने से देश के 9 करोड़ यूजर्स को सीधे तौर पर फायदा पहुंचेगा। यूजर्स खराब नेटवर्क की वजह से ही निजी टेलीकॉम ऑपरेटर्स की तरफ अपना रूख करते हैं।

5जी में हो सकेगा अपग्रेड

प्राइवेट टेलिकॉम कंपनियों के मुकाबले में बीएसएनएल 4जी लॉन्च करने में भले पीछे रह गई हो, लेकिन 5जी में वह बराबर की टक्कर दे सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, बीएसएनएल के 4जी नेटवर्क को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इसे आसानी से 5जी में अपग्रेड किया जा सकेगा।

विकासशील का स्वागत और अमिताभ को दी जाएगी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

साय कैबिनेट की बैठक 30 सितंबर को होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में विकासशील का नए मुख्य सचिव के रूप में स्वागत किया जाएगा, जबकि निवर्तमान मुख्य सचिव अमिताभ जैन को औपचारिक विदाई दी जाएगी।

दोपहर 3:30 बजे मंत्रालय

30 को कैबिनेट

विकासशील

अमिताभ जैन

विकासशील होंगे छग के 13वें मुख्य सचिव

विकास शील, जो कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1994 बैच के अधिकारी हैं, राज्य के 13वें मुख्य सचिव के रूप में कार्यभार संभालेंगे। वे 30 सितंबर को ही केंद्र सरकार से प्रतिनियुक्ति से लौटेंगे और उसी दिन कार्यभार ग्रहण करेंगे। ▶▶|शेष पेज 5 पर

कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णयों के साथ-साथ प्रशासनिक परिवर्तन की एक भावुक और ऐतिहासिक झलक भी देखने को मिलेगी। राज्य के मुख्य सचिव पद पर बदलाव को लेकर बुलाई गई बैठक में नवनियुक्त मुख्य सचिव विकास शील का स्वागत किया जाएगा, वहीं निवर्तमान मुख्य सचिव अमिताभ जैन को औपचारिक रूप ▶▶|शेष पेज 5 पर

सिलतरा प्लांट हादसा

मृतकों के परिजनों को 46-46 लाख मुआवजा

मृतक के परिजनों को नौकरी, पेंशन देने से लेकर बच्चों को मुफ्त शिक्षा दिलाने की घोषणा

इस्पात कारखाने में आधा दर्जन मजदूरों की मौत, कई घायल को दीवाल तोड़ निकाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/धरसींवा

सिलतरा स्थित स्टील प्लांट में शुक्रवार को हुए दर्दनाक हादसे में छह मजदूरों की मौत को प्लांट प्रबंधन ने दुर्भाग्यजनक घटना बताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए राहत राशि की घोषणा की है। इसके अलावा मृतकों के परिजनों को नौकरी तथा पेंशन देने की घोषणा की है। हादसे में घायल आधा दर्जन मजदूरों में से एक मजदूर को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। बाकी अन्य की स्थिति में सुधार होने का कंपनी प्रबंधन ने दावा किया है। स्टील प्लांट प्रबंधन ने बयान ▶▶|शेष पेज 5 पर

अलग फॉलोअप

अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचे विधायक

दुर्घटना में मारे गए मजदूरों के अंतिम संस्कार में शामिल होने क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा पहुंचे। वहां उन्होंने संवेदना व्यक्त करते हुए परिजनों का सांत्वना दी। विधायक ने मृतकों के परिजनों को अंतिम संस्कार करने 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी।

गर्ग की मौत का मामला

गायक जुबिन के मैनेजर के खिलाफ लुकआउट नोटिस

गुवाहाटी। गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले में पूर्वोत्तर महोत्सव के आयोजक श्यामकानु महंत और गायक के प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा के खिलाफ 'लुकआउट नोटिस' जारी किए गए हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि 'फेसबुक लाइव' में कहा कि दोनों को छह अक्टूबर को गुवाहाटी ▶▶|शेष पेज 5 पर

अभिनेत्री निशिता समेत चार से पूछताछ

शेखर ज्योति गोस्वामी के साथ जुबिन के बैंड मेंबर्स, असम अभिनेत्री निशिता गोस्वामी और को-सिंगर अमृतप्रभा से भी पूछताछ की गई है। उनसे असम सीआईडी के हेडक्वार्टर में पूछताछ हुई।

राज्य के फैसले पर हाईकोर्ट की मुहर

बर्खास्त बीएड योग्य सहायक शिक्षकों की नियुक्ति सही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट ने 2 हजार 621 बर्खास्त बीएड योग्य सहायक शिक्षकों को सहायक शिक्षक विज्ञान, लैबोरेटरी पद पर समायोजित करने के राज्य सरकार के फैसले को सही ठहराया है। मामले में जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की सिंगल बेंच ने कहा कि यह निर्णय न तो अवैध है और न ही मनमाना। दरअसल जांजगीर चांपा निवासी संजय कुमार और मुंगेली निवासी विजय कश्यप ने अप्रैल 2025 में लिए गए सरकार के निर्णय को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया था कि छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा भर्ती एवं पदोन्नति नियमों के तहत सहायक शिक्षक के पूरे पद सीधी भर्ती से ▶▶|शेष पेज 5 पर

कोई मनमानी नहीं

सभी दलीलों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने माना कि सरकार का यह कदम नियमों के अनुरूप है और इसमें कोई मनमानी नहीं है। इसलिए याचिका को खारिज कर राज्य सरकार के समायोजन फैसले को बरकरार रखा।

पाकिस्तान ने डोनाल्ड ट्रंप के नाम की नोबेल पुरस्कार के लिए सिफारिश क्या कर दी है कि डोनाल्ड ट्रंप पाक के वास्तविक जेहादी चरित्र को पूर्णतः नकार कर उसके सारे गुनाहों को दरकिनार करते हुए गले से लगा रहे हैं। स्मरण कीजिए 10 मई को राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ऐलान किया था कि वाशिंगटन की मध्यस्थता के चलते भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा तकरीबन 42 दफा दोहराए गए इस दावे को और आगे भविष्य में ना जाने कितनी दफा दोहराया जाएगा। भारत सरकार ने राष्ट्रपति ट्रंप के दावे को कदाचित स्वीकार नहीं किया। इसी से ट्रंप खार खाए हुए हैं। यही कारण है कि वे आतंक के पोषक पाक के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर को शानदार इंसान और शानदार नेता बता रहे हैं। इस घटनाक्रम से स्पष्ट तौर से सिद्ध हो जाता है कि राष्ट्रपति ट्रंप भारत के प्रति किस कदर शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर रहे हैं। वह भारत पर चौतरफा दबाव बनाने की कोशिशों में लगे हुए हैं। जब भारत उनके इस प्रेशर में आता नजर नहीं आ रहा तो अब वे ब्लैकमेलिंग पर उतर आए हैं। ट्रंप की इसी रणनीति का खुलासा करता *आजकल* का खास अंक...

ट्रंप लगातार भारत पर हमलावर क्यों

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

अपने विगत कार्यकाल में राष्ट्रपति ट्रंप पाकिस्तान को वैश्विक जेहादी आतंकवादियों को पनाह देने वाला और परवरिश करने वाला सबसे खतरनाक और निकृष्ट मुल्क कहकर संबोधित करते थे। वर्तमान द्वितीय कार्यकाल में आश्चर्यजनक तौर पर डोनाल्ड ट्रंप के लिए पाकिस्तान सबसे प्यारा दुलारा मुल्क बन गया है।

हुकूमत ए पाकिस्तान ने डोनाल्ड ट्रंप के नाम की नोबेल प्राइज के लिए सिफारिश क्या कर दी है कि पाकिस्तान के वास्तविक जेहादी चरित्र को पूर्णतः नकार करके और उसके सारे गुनाहों को दरकिनार करके राष्ट्रपति ट्रंप ने उसको अपने गले से लगा लिया है। स्मरण कीजिए 10 मई को राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ऐलान किया था कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में हुई बातचीत के तत्पश्चात भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल संघर्ष विराम अंजाम देने के लिए सहमत हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा तकरीबन 42 दफा दोहराए गए इस दावे को और आगे भविष्य में ना जाने कितनी दफा दोहराया जाएगा। भारत सरकार ने राष्ट्रपति ट्रंप के दावे को कदाचित स्वीकार नहीं किया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और भारत के मध्य जारी सैन्य संघर्ष में युद्ध विराम डोनाल्ड ट्रंप ने अंजाम दिलवाया था।

राष्ट्रीय हित ही सर्वोपरि

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी तीसरे पक्ष के सक्रिय हस्तक्षेप से भारत सरकार ने स्पष्ट इनकार कर दिया है। यही प्रस्थान बिंदु है, जहां से डोनाल्ड ट्रंप की हमलावर शत्रुता भारत के विरुद्ध प्रारम्भ होती है। राजनेताओं के मध्य स्थापित हुए व्यक्तिगत रिश्ते किसी मुल्क की विदेश नीति का कदापि आधार नहीं बन सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और विदेश नीति में केवल राष्ट्रीय हित ही सर्वोपरि होते हैं। राष्ट्रीय हितों के सरोकार अंतरराष्ट्रीय संबंधों और विदेश नीति का सदैव ही आधार स्तंभ होते हैं। ग्लोबल इकोनॉमी का नारा अमेरिका द्वारा ही बुलंद किया गया था। आज के दौर में डोनाल्ड ट्रंप की कयादत में दुनिया को ग्लोबल विलेज बनाने का सपना चूर-चूर हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों की अत्यंत कड़वी सच्चाई को हाल ही में भारत और अमेरिका के मध्य कूटनीतिक संबंधों में आ गई कटुता के आईने में देखा और परखा जा सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अंजाम दिए जा रहे सारे कारनामों के फलस्वरूप भारत के राष्ट्रीय हितों को गहन क्षति पहुंच रही है। राष्ट्रपति ट्रंप के कारनामों से अमेरिका भी गहरे गर्त में गिरता जाएगा। भारत की दोस्ती और भरोसा गंवाकर आखिरकार अमेरिका द्वारा चीन से किस तरह से मुकाबला किया जा सकेगा।

ट्रंप का शत्रुतापूर्ण व्यवहार

पाकिस्तान अपने जन्म काल से ही भारत के दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन के तत्पश्चात एक शत्रु देश बन गया। भारत और पाकिस्तान के मध्य चार बड़े सैन्य युद्ध अंजाम दिए जा चुके हैं। इन चारों सैन्य युद्धों में बुरी तरह से शिकस्त खाकर और भारत के विरुद्ध सीधा युद्ध करने की कुव्वत नहीं रख सकने के कारणवश पाकिस्तान के हुक्मरान विगत तकरीबन 37 वर्षों से भारत के विरुद्ध कश्मीर में प्राक्सी बार संचालित कर रहे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ का और उसके सैन्य कमांडर इन चीफ जनरल आसिफ मुनीर का रेड कारपेट बिछाकर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा व्हाइट हाउस में खैरमक़दम अंजाम दिया गया। राष्ट्रपति ट्रंप के संबोधन के मुताबिक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और पाकिस्तान के फील्ड मार्शल शानदार इंसान हैं। इस घटनाक्रम से स्पष्ट तौर से सिद्ध हो जाता है कि राष्ट्रपति ट्रंप भारत के प्रति किस कदर शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर रहे हैं। हाल ही में सऊदी अरब और पाकिस्तान के मध्य संपन्न हुई सैन्य संधि जिसे स्ट्रैटेजिक म्युचुअल डिफेंस एग्रीमेंट शीर्षक प्रदान किया गया, इस सऊदी-पाक सैन्य संधि को अंजाम तक ले जाने की पृष्ठभूमि में जो शख्सियत विद्यमान है वो है अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। दूसरे विश्व युद्ध के बाद अभी तक गल्फ मुल्कों को सैन्य संरक्षण अमेरिका प्रदान करता रहा है।

गल्फ मुल्कों को पाक संरक्षण

अब मुस्तक़बिल में गल्फ मुल्कों को सैन्य संरक्षण अमेरिका का सबसे प्यारा देश बन गया पाकिस्तान उपलब्ध कराएगा। क्योंकि विश्व पटल पर पाकिस्तान ही एकमात्र ऐसा इस्लामिक देश है, जिसके पास परमाणु अस्त्रों की अत्यंत विकट शक्ति विद्यमान है। हालांकि इस्लामी देशों की कतार में अमेरिका का प्रबल शत्रु देश ईरान भी परमाणु शक्ति संपन्न देश बन जाने के कगार पर है। ऑर्गेनाइजेशन का इस्लामिक कंट्रीज (ओआईसी) का लीडर मुल्क सऊदी अरब रहा है। डोनाल्ड ट्रंप सऊदी अरब को भारत का शत्रु और पाकिस्तान का परम मित्र बनने पर आमादा हो गए हैं। अपने चेहते देश पाकिस्तान पर डोनाल्ड ट्रंप ने केवल 19 प्रतिशत टैरिफ आयद किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ऐलान किया है कि पाकिस्तान के तेल भंडारों के विकास पर भी जबरदस्त इमदाद प्रदान की जाएगी। अमेरिका को अगेन ग्रेट और अमेरिका फर्स्ट बनाने का नारा बुलंद करने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव में बड़े-बड़े ऐलान किए थे कि वह दो दिनों के अंदर यूक्रेन-रूस की जंग को समाप्त कर देंगे और गाजा जंग का खात्मा कर देंगे। राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमंत्री नेतन्याहू को कूटनीतिक दबाव में लेने में नाकाम रहे, डोनाल्ड ट्रंप अब रूस-यूक्रेन युद्ध की तोहमत को भारत पर थोपने में लगे हुए हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप की गुस्ताखी देखिए कि उनके द्वारा चीन के मुकाबले में दोगुना टैरिफ भारत पर आयद कर दिया गया। साम्यवादी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ट्रंप द्वारा थोपे गए टैरिफ के जवाब में अमेरिका पर दो गुना टैरिफ आयद कर दिया है। फिर क्या था ट्रंप ने चीन पर टैरिफ बहुत कम कर दिया। लोकतांत्रिक भारत ने वस्तुतः अभी तक अत्यंत सदाशयता के साथ काम लिया है और अमेरिकी टैरिफ का कदाचित कड़ा प्रति उत्तर नहीं दिया है। अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन के यूरोपियन देश रूस के साथ कितना बड़ा व्यापार यूक्रेन युद्ध के दौर में जारी रखे हुए हैं। इस जीवंत तथ्य पर कोई तल्ख टिप्पणी ट्रंप आखिरकार क्यों नहीं करते हैं?

नोबेल पीस प्राइज की सनक

हाल में ही राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐलान कर दिया कि विदेशों में निर्मित ब्रांडेड दवाओं पर एक अक्टूबर 2025 से 100 प्रतिशत टैरिफ लागू हो जाएगा। भारत में निर्मित जेनेरिक और ब्रांडेड मेडिसिन बड़ी तादाद में अमेरिका को निर्यात की जाती है। डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ-साथ अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण तौर पर अमेरिका पर भी हमला कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप की नोबेल पीस प्राइज हासिल करने की अपनी सनक में आगे देखना है कि क्या-क्या नए गुल खिलते हैं।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों की अत्यंत कड़वी सच्चाई को हाल ही में भारत और अमेरिका के मध्य कूटनीतिक संबंधों में आ गई कटुता के आईने में देखा जा सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अंजाम दिए जा रहे सारे कारनामों के फलस्वरूप भारत के राष्ट्रीय हितों को गहन क्षति पहुंच रही है। हाल में ही राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐलान कर दिया कि विदेशों में निर्मित ब्रांडेड दवाओं पर एक अक्टूबर 2025 से 100 प्रतिशत टैरिफ लागू हो जाएगा, जबकि भारत में निर्मित मेडिसिन बड़ी तादाद में अमेरिका को निर्यात की जाती है।

आक्रामक कूटनीति ही शांति का आधार

रणनीति

कांतिलाल मांडोत

स्वतंत्र पत्रकार

सुपर पावर अमेरिका को टक्कर देने वाला चीन आज भी एक विकासशील देश है। स्वतंत्र भारत में विदेश नीति की शुरुआत कल्पनाओं से हुई, जिसका भारी खामियाजा हमें आज तक भुगतना पड़ रहा है। पहले पाकिस्तान और उसके बाद चीनी आक्रमण के बाद भारत की मोदी सरकार ने सबसे पहले सैन्य को मजबूत करने पर ध्यान दिया किन्तु कूटनीति और विदेश नीति कैसे चलानी चाहिए, यह हमने अभी तक नही सीखा है। पिछले तीन दशक से चीन सामरिक और आर्थिक रूप से भारत से बहुत आगे निकल गया है। चीन एक कम्युनिस्ट देश है और उसका पूरा तंत्र सत्ता द्वारा नियंत्रित है। चीन के शासन का अपने यहां लोगों और साधनों पर पूरा नियंत्रण है। उसके शासकों के लिए नीतियां बनाना और उन्हें बलपूर्वक लागू करना आसान है इसलिए उसने तीन दशक से सामरिक और आर्थिक शक्ति में जो अभूतपूर्व प्रगति की है उसे समझा जा सकता है। चीन एक विशाल देश और अत्यंत प्राचीन सभ्यता है। उसके पास न प्रतिभा की कमी है, न साधनों की। लेकिन चीन जैसी केंद्रीय व्यवस्थाओं को सर्वतोमुखी विकास सम्भव नहीं होता। यूरोप और अमेरिका के बीच चीन की बढ़ती हुई शक्तियों को इसी रूप में देखा जा सकता है। विशेष तौर से अमेरिका इसे एक चुनौती की तरह देखने लगा है। इस समय अमेरिका विश्व की प्रमुख तरह की शक्ति है और उसे लग रहा है कि चीन उसके लिए धीरे-धीरे सामरिक और आर्थिक चुनौती बनता जा रहा है। इस आधार पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प चीन को घेर रहे हैं। उसके साथ भारत पर हावी होने और कूटनीतिक दृष्टिकोण से भारत पर कड़क आर्थिक मार देकर भारत को दबा रहे हैं। चीन से सावधान रहने की बार-बार चेतावनी मिलती रही है। भारत के प्रति सम्मानपूर्ण व्यवहार किन कारणों से करेगा? कोई ठोस आधार ही वह कारण हो सकता है जो भारत के पास हो। हम शांतिप्रेमी हैं, यह कोई कारण नहीं जिससे कोई देश हमें महत्व दे। भारत की इसी आधार पर उपेक्षा भी कर सकता है कि ऐसे देश से कोई समस्या नहीं होने वाली। वह इतना स्पष्ट है कि भारतीय नेताओं द्वारा इसे न समझा जाना आश्चर्यजनक है। पड़ोसी देश भी भारत के लिए कुतर्क की बात कर डराना चाहते हैं। पाकिस्तान कंगाल देश होने के बावजूद और भारत की ताकतवर सेना होने के बाद भी धमकियां देता है। चीन में अब तक कोई भी आतंकवादी हमला क्यों नही हुआ? क्योंकि मुसलमानों को चीन के संविधान का पालन करना पड़ता है। चीन में मुसलमानों के साथ कैसा व्यवहार होता है,उसके लिए पाकिस्तान और कट्टरवादी समाज उनका विरोध क्यों नहीं करते हैं। इसलिए भारत को आक्रामक होना होगा। भारत को धमकियों से डरने की प्रवृति छोड़नी चाहिए। यह प्रवृत्ति दुश्मनों को आकर्षित करती है। चीन के साथ हमारी पराजय ग्रंथि दूर कर एक मंच पर मोदी व शी जिनपिंग ने द्विपक्षीय व्यापार समझौता किया। चीन ने कई वर्षों तक भारत से किनारा किया। अमेरिका के बढ़ते दबाव के कारण भारत से चीन ने दोस्ती का हाथ बढ़ाया। चीन ने अमेरिका और भारत के बीच तनाव को देखते हुए भारत के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बंध स्थापित कर लिए। चीन ने एक तीर से दो निशाने साधे हैं। भारत के साथ आयात निर्यात की सभी सीमाएं खत्म होने के बाद चीन को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। इस बीच भारत और अमेरिका के टैरिफ को लेकर बिगड़ते रिश्तों को देखकर चीन ने पासा फेंककर भारत के साथ राजनयिक रिश्ते मजबूत कर लिए लेकिन पाकिस्तान को मदद करना चीन ने आज भी नहीं छोड़ा है। चीन ने पाकिस्तान के साथ हजारों करोड़ का सौदा किया है। चीन अभी भी विकासशील देश का टैग पहने हुए है। यह नकाब कब उतरेगा, क्योंकि विकासशील देश का टैग पहने रहने से टैरिफ और एसडीटी जैसी सब्सिडी का लाभ मिलता है। अमेरिका से धोखा मिलने के बाद चीन ने भारत को बहुत बड़ा मार्केट दिया। 1962 के बाद भारत ने डटकर तिब्बत की स्वायत्तता का मुद्दा उठाया होता तो निश्चित मानिए चीन को हमारे साथ सद्भावनापूर्ण सम्बंध बनाने की चिंता होती। चीन के प्रति अब तक हमारा जो अज्ञान बना हुआ था,उसके कारण हम न उसकी वास्तविक शक्ति को समझते हैं, न कमजोरियों को। चीन ने भी इतने वर्षों तक हमारे बारे में अज्ञानतावश उतने ही भ्रम पाले हुए थे। लेकिन दोनों देशों के बीच सुधरे रिश्तों ने नई मिसाल पेश की है। चीन ने हमारे साथ शत्रु भाव पाल रखा था। उसकी जड़ें पाकिस्तान था क्योंकि भारत में पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवादियों के कहर को पाकिस्तान भारत की चाल करार देता था। चीन ने पाकिस्तान को हमेशा गुलाम बनाकर रखा है। चीन ने हजारों हैक्टेयर जमीन पाकिस्तान से अनुदान के एवज में कब्जाई हुई है। फिर भी चीन से भारत को सतर्क रहना होगा।

अमेरिका को लग रहा है कि चीन उसके लिए चुनौती बनता जा रहा है। इस आधार पर ट्रम्प चीन को घेर रहे हैं। उसके साथ कूटनीतिक दृष्टिकोण से कड़क आर्थिक मार देकर भारत को दबा रहे हैं।

प्रतिभा के पलायन को रोकने का बड़ा मौका

अवसर

प्रो. महेश चंद गुप्ता

शिक्षाविद व चिंतक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा फीस में बेतहाशा बढ़ोतरी कर दी है। पहले जहां यह फीस लगभग 80 हजार रुपये थी, वहीं अब इसे 80 लाख रुपये तक बढ़ा दिया है। स्वाभाविक है कि अब पहले जितनी संख्या में भारतीय युवा अमेरिका नहीं जा पाएंगे। इस फैसले से दुनिया भर में उथल-पुथल मची है, जिसका फायदा उठाने की कोशिश चीन कर रहा है। उसने 'के वीजा' नामक नई श्रेणी की घोषणा की है जिसके तहत वह दुनिया भर के युवा वैज्ञानिकों और तकनीकी प्रोफेशनल्स को अपने यहां आकर्षित करना चाहता है। यह वीजा शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान तकनीक और व्यवसाय के क्षेत्र में अवसर उपलब्ध कराएगा। भारत के लिहाज से यह स्थिति एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों लेकर आई है। चुनौती इसलिए क्योंकि अमेरिकी दरवाजे बंद होने के बाद चीन नए अवसर देकर हमारी प्रतिभाओं को अपने यहां खींच सकता है। अवसर इसलिए है क्योंकि यह भारत के लिए प्रतिभा पलायन रोकने का सुनहरा मौका है। अब जरूरत इस बात की है कि सरकार, उद्योग जगत और कॉर्पोरेट सेक्टर मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करें जहां हमारे युवा देश में रहकर ही अपने सपनों को साकार कर सकें। भारत हमेशा से ही शिक्षा और प्रतिभा के मामले में समृद्ध रहा है पर प्रतिभा पलायन हमारी बड़ी समस्या है। हर साल लाखों छात्र-छात्राएं इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट और रिसर्च के क्षेत्र में पढ़ाई पूरी करते हैं लेकिन अफसोस है कि उनमें से बड़ी संख्या में युवा विदेशों का रुख कर लेते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि भारत में शोध के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं होते हैं, रोजगार के अवसर सीमित हैं और जो अवसर उपलब्ध हैं, उनमें योग्य प्रतिभा को सम्मान और सुरक्षा का अभाव है। डॉक्टर, इंजीनियर और आईटी प्रोफेशनल विदेश जाकर वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं जबकि उनकी प्रतिभा का लाभ भारत को मिलना चाहिए। एक तरफ हम युवाओं की शिक्षा पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, दूसरी ओर वे अवसरों की कमी के कारण देश छोड़ जाते हैं। यह भारत के विकास के लिए बड़ी हानि है। ट्रंप का वीजा फीस वृद्धि का कदम दुनिया के कई देशों के लिए चिंता का विषय हो सकता है लेकिन भारत को इसे सकारात्मक रूप में देखना चाहिए। कुल मिलाकर, अमेरिकी कदम भारत के लिए सकारात्मक है। इससे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए कि हम अपनी प्रतिभा को यहीं रोकें और उन्हें ऐसे अवसर दें जिससे वे विदेश जाने की बजाय देश में ही काम करें। अगर हम अपने युवाओं को यहीं अवसर देंगे तो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। तकनीकी और डिजिटल क्षेत्र में आत्मनिर्भरता संभव होगी। मेड इन इंडिया का सपना साकार होगा।

अब जरूरत इस बात की है कि सरकार, उद्योग जगत और कॉर्पोरेट सेक्टर मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करें जहां हमारे युवा देश में रहकर ही अपने सपनों को साकार कर सकें।

फिलहाल ट्रंप का ब्रांडेड दवाओं पर टैरिफ भारत के लिए बेअसर

चुनौती

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 26 सितंबर को ब्रांडेड या पेटेंटेड दवाई पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान करके एक बार फिर टैरिफ लगाने की ट्रंप श्रृंखला को आगे बढ़ा दिया है। यह टैरिफ 1 अक्टूबर 2025 से लागू होगा। इससे पहले ट्रंप ने 27 अगस्त से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। फिलहाल ट्रंप के दवा टैरिफ का भारतीय फॉर्मा कंपनियों पर ज्यादा असर नहीं होगा। कारण यह कि भारत से अमेरिका को निर्यात होने वाली दवाओं में पेटेंट दवाओं का हिस्सा महज पांच फीसदी है और जेनेरिक दवाओं का हिस्सा 95 फीसदी है।

उल्लेखनीय है कि दवा टैरिफ उन कंपनियों पर नहीं लगेगा जो अमेरिका में ही दवा बनाने के लिए अपना प्लांट लगा रही हैं। ट्रंप ने यह साफ संकेत दिया है कि अगर किसी फार्मा कंपनी की अमेरिका में दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग में दिलचस्पी है तो उसे 100 फीसदी टैरिफ से छूट मिलेगी। साथ ही किसी कंपनी ने अमेरिका में अपना प्लांट लगाना शुरू कर दिया है तो उसे भी इस 100 फीसदी टैरिफ से छूट मिलेगी। इसका उद्देश्य दुनिया की बड़ी फार्मा कंपनियों को अमेरिका में उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करना है। इस फैसले का ज्यादा असर उन देशों पर पड़ेगा जहां की फार्मा कंपनियां अमेरिका को ब्रांडेड दवाओं का निर्यात करती हैं।

गौरतलब है कि ब्रांडेड या पेटेंटेड दवाई और जेनेरिक दवाई में बड़ा अंतर है। चूंकि जेनेरिक दवाई का कोई नया पेटेंट नहीं होता, यह पहले से ही मौजूद फॉर्मूले पर आधारित होती है, अतएव जेनेरिक दवा बनाने वाली कंपनियों को रिसर्च का खर्च नहीं उठाना पड़ता, इसलिए जेनेरिक दवाइयों की कीमत ब्रांडेड दवा के मुकाबले बहुत कम होती है। खास बात यह है कि भारत जेनेरिक दवाइयां अमेरिका को निर्यात करने वाला सबसे बड़ा देश है। पिछले वर्ष 2024-25 में भारत ने अमेरिका को लगभग 10 अरब डॉलर की दवाइयां भेजीं, जो भारत के कुल दवा निर्यात का करीब एक तिहाई से अधिक है। निश्चित रूप से ट्रम्प ने ब्रांडेड दवाओं पर टैरिफ लगाने का फैसला अमेरिका में दवा उत्पादन को बढ़ाने के लिए लिया है। ट्रम्प का दवाई टैरिफ 'अमेरिका फर्स्ट' और 'मेक इन अमेरिका' नीति का हिस्सा है। ट्रम्प का यह भी मानना है कि दवाओं के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। कोरोना महामारी के दौरान अमेरिका ने यह देखा है कि अगर दवाई की सप्लाई चेन टूटती है तो अमेरिका में दवाओं की भारी कमी हो सकती है। ऐसे में ट्रंप ने ब्रांडेड दवाओं पर टैरिफ लगाकर, अमेरिका की पूरी फार्मा सप्लाई चेन को सुरक्षित करने का कदम उठाया है। ट्रंप के द्वारा जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ नहीं लगाने के कुछ विशेष कारण भी उभरकर दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका में डॉक्टर रोगियों के लिए जो प्रिस्क्रिप्शन लिखते हैं, उनमें से हर 10 में से करीब 4 दवाइयां भारतीय कंपनियों द्वारा बनाई गई जेनेरिक दवाइयां होती हैं। इतना ही नहीं जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं से 80-90 फीसदी तक सस्ती होती हैं। ऐसे में अगर जेनेरिक दवाओं पर भी 100 फीसदी टैरिफ लग जाता, तो जेनेरिक दवाओं की कीमत बहुत बढ़ जाती। इससे अमेरिकी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा बहुत महंगी हो जाती, और यह सीधे तौर पर ट्रंप के लिए नए घरेलू असंतोष का कारण बन सकता था। दरअसल, भारतीय जेनेरिक दवाइयां अमेरिका के लिए लागत-बचत का एक अवसर है। आशंका है कि ट्रंप रणनीतिपूर्वक आगामी समय में जेनेरिक दवाइयों को भी टैरिफ के दायरे में ला सकते हैं। ऐसी आशंका के मद्देनजर भारत के शेयर बाजार में गिरावट भी आई है। विशेष रूप से फॉर्मा कंपनियों के शेयर मूल्य में बड़ी गिरावट दिखाई दी है। ऐसे में भारत को निर्यात तथा संपूर्ण अर्थव्यवस्था के लिए मूल्यवान फॉर्मा सेक्टर की डगर पर नीतिगत बदलावों के लिए तैयार रहना होगा।

भारत में पेटेंटेड ड्रग मैन्युफैक्चरिंग के लिए रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ाना होगा। निवेश के लिए इंटरनेशनल पार्टनर्स तलाशने होंगे। वैश्विक सप्लाई चेन को मजबूत बनने बारे में रणनीति बनानी होगी। देश में दवाइयों की गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा। सरकार के द्वारा फॉर्मा सेक्टर से संबंधित बुनियादी ढांचा को मजबूत बनाया जाना होगा। यद्यपि ट्रंप के द्वारा ब्रांडेड दवाओं पर लगाए गए 100 फीसदी टैरिफ फिलहाल भारत के लिए बेअसर हैं, लेकिन भविष्य में जेनेरिक दवाइयों पर किसी टैरिफ या अन्य कोई चुनौती के मद्देनजर भारत को फॉर्मा उद्योग के क्षेत्र में रणनीतिपूर्वक मजबूत होना होगा। इससे भारत का जो दवाई उद्योग वर्तमान में 55 अरब डॉलर के स्तर पर है, वह 2030 तक करीब 130 अरब डॉलर और 2047 तक करीब 450 अरब डॉलर की ऊंचाई पर दिखाई दे सकेगा। इससे रोजगार बढ़ेंगे, निर्यात बढ़ेंगे और सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था लाभांवित होगी।

भविष्य में जेनेरिक दवाइयों पर किसी टैरिफ या अन्य कोई चुनौती के मद्देनजर भारत को फॉर्मा उद्योग के क्षेत्र में रणनीतिपूर्वक मजबूत होना होगा। इससे सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था लाभांवित होगी।

भारत को अस्थिर करने के लिए पाकिस्तानी कंधे की टेक

भेंटवार्ता

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

गत बृहस्पतिवार व्हाइट हाउस ओवल कार्यालय में ट्रंप के निमंत्रण पर पहुंचे पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ व सेना प्रमुख आसिम मुनीर की अमेरिकी राष्ट्रपति से हुई भेंटवार्ता दुनिया के लिए रहस्य बनी हुई है। दोनों पक्षों की भेंट का वास्तविक कारण सार्वजनिक नहीं किया गया है। एकल अथवा संयुक्त रूप में भी कोई ऐसा वार्ता-विवरण प्राप्त नहीं हुआ, जो अकस्मात हुई दोनों पक्षों की वार्तालाप का कोई ठोस उद्देश्य प्रकट कर सके। अमेरिका के स्तर पर पाकिस्तान के साथ होने वाली ऐसी गुप्त वार्ता विश्व के लिए एक असुरक्षित कूटनीतिक संकेत है। जून 2025 में भी ट्रंप ने ऐसा ही किया था। तब वे कनाडा में आयोजित हो रही जी-7 की बैठक बीच में ही छोड़, अमेरिकी ओवल कार्यालय में आसिम मुनीर के स्वागत हेतु पहुंच गये थे। वह प्रकरण भी अति विचित्र था। तब जी-7 में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी का, आमंत्रित देश के प्रधान के रूप में उपस्थित होना ट्रंप के लिए असहज हो गया था। अतः मुनीर व ट्रंप की तत्कालीन भेंट भारत के संदर्भ में एक अप्रत्याशित कूटनीतिक उलझन बन गई थी। अब पुनः ट्रंप का मुनीर व शरीफ से मिलना, भारत के लिए नई कूटनीतिक समस्या उत्पन्न कर रहा है। ट्रंप की पाकिस्तानी शासकों के साथ ये उलझी हुई मैत्रीपूर्ण गुत्थी, भारत व अमेरिका के अनेक स्तरीय संबंधों को दिनोंदिन अविश्वास में धकेल रही है।

ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका तथा पाकिस्तान का यह नवीन संधि-आग्रह अवश्य ही भारत के प्रति दोनों देशों द्वारा बनाई-अपनाई जा रही किसी न किसी दूरगामी कूटनीति का संकेत है। इसका प्राथमिक व प्रत्यक्ष संबंध, दस दिन पहले ही अमेरिकी योजना से पाकिस्तान-सऊदी अरब के मध्य संपन्न हुए रणनीतिक सुरक्षा अनुबंध से है। भारत के प्रति पाकिस्तान के शत्रुतापूर्ण आचरण को देख-समझ कर भी अपने व भारत के अनेक क्षेत्रों के महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक सुरक्षा अनुबंध' द्वारा तिरोहित करने वाले सऊदी अरब को भारत ने दस दिनों में ही कई आघात दे दिए हैं। भारत ने अरब देश के अनेक निवेश समझौतों को समीक्षा पटल पर रख दिया है। भारत से विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों द्वारा लाभान्वित होने वाले अरबी व्यापारियों के मध्य तीव्र हलचल मची हुई है। वे अरब के मुखिया को इस बारे में चेतावनियां दे रहे हैं। सऊदी ने भारत के साथ उभरती अपनी इस नवीन समस्या के बारे में जब अमेरिका को सूचित किया या अमेरिकी शासन की प्रमुख गुप्तचर मण्डली ने जब इसका स्वयं संज्ञान लिया तो स्थितियों पर नया विचार हुआ। इसीलिए अधिक संभावना यही है कि इस प्रकरण पर आगे की रणनीति निर्धारित करने सऊदी की ओर से पाकिस्तानी प्रमुखद्वय ओवल कार्यालय में ट्रंप से मिलने चले गए।

यह स्पष्ट होता चला जा रहा है कि ट्रंप भारत को अस्थिर करने के लिए पाकिस्तानी कंधे का प्रयोग कर रहे हैं अथवा पाकिस्तान समेत अनेक मध्य पूर्वी मुस्लिम देशों की हिन्दू विरोधी मानसिकता को भांपकर अपने व अपने परिवार के व्यवसाय के प्रसार हेतु ऐसे देशों की भारत विरोधी कूटनीति-राजनीति को बढ़ाने में सहयोग कर रहे हैं, ताकि वे इनके साथ मनमाने व्यापारिक अनुबंध करके इनकी ओर से अमेरिकी अधिवक्ता बनने का अभिनय कर सकें। ट्रंप के बारे में यह तो निश्चित है कि वे देशों के मध्य युद्ध को भड़काकर और फिर शीघ्र अयुद्धक शांति की घोषणा करने का मूल्य, अमेरिका व अपना व्यापार बढ़ाकर अर्जित करना चाहते हैं।

विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या धारक भारत के साथ अमेरिकी अनुकूलता के आधार पर व्यापारिक अनुबंध न होने के कारण तथा चीन को अपने अधिक लाभांश हिस्से पर व्यापार करने के लिए सहमत न कर पाने के कारण, अब अमेरिका के लिए और विशेषकर ट्रंप व उनके परिजनों के व्यापार हेतु जनसंख्या से भरे पड़े तथा अमेरिकी शर्तों पर कुछ भी करने को सहमत होने वाले पाकिस्तान व बांग्लादेश जैसे देशों से ही अमेरिका, अमेरिकी व्यापारी तथा ट्रंप व्यावसायिक लाभार्जन करना चाहते हैं।

शरीफ व मुनीर के साथ ट्रंप की अप्रत्याशित, अनियोजित भेंट का मूल उद्देश्य तो पाकिस्तान समेत दूसरे मुसलिम देशों में अमेरिकी व्यापार की संभावनायें ढूंढना है, किंतु लगे हाथ मोदी से व्यक्तिगत शत्रुता प्रदर्शित करने के लिए भारत के विरुद्ध पाकिस्तान के स्तर पर किसी न किसी अशुभकारी षड्यंत्र की रूपरेखा बनाना भी हो सकता है।

ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका तथा पाकिस्तान का यह नवीन संधि-आग्रह अवश्य ही भारत के प्रति दोनों देशों द्वारा बनाई-अपनाई जा रही किसी न किसी दूरगामी कूटनीति का संकेत है।

MARUTI SUZUKI

NEXA

CELEBRATIONS JUST GOT BIGGER.

WITH GST BENEFITS + *LIMITED PERIOD FESTIVE OFFERS

	PRICE REDUCTION OF UP TO#	NOW STARTING AT#	ADDITIONAL FESTIVE OFFERS OF UP TO*
FRONX	₹ 1 12 600	₹ 6 84 900	₹ 75 000
GRAND VITARA	₹ 1 07 000	₹ 10 76 500	₹ 1 60 000 + 5 Year Extended Warranty
BALENO	₹ 86 100	₹ 5 98 900	₹ 92 500
IGNIS	₹ 71 300	₹ 5 35 100	₹ 85 000
INVICTO	₹ 61 700	₹ 24 97 400	₹ 1 55 000
XL6	₹ 52 000	₹ 11 52 300	₹ 55 000
JIMNY	₹ 51 900	₹ 12 31 500	₹ 1 10 000

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

*FESTIVE OFFERS VALID TILL 30TH SEP ONLY

NEXA SAFETY SHIELD

UP TO 100% WAIVER ON CAR LOAN PROCESSING FEE (ONLY TILL 30TH SEP)##

E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

Contact us at 1800-200-6392 1800-102-6392

For detailed T&C kindly visit your nearest dealership. Features and accessories shown may not be a part of the standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers and features may vary subject to the model and variant purchased. *The mentioned offers include "Consumer Offer + Booking offer + Exchange Bonus + Rural offer", and may vary from city to city. Please contact nearby dealership for more details. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 30th September '25 or till stocks last. Maruti Suzuki Smart Finance is now available pan India. Maruti Suzuki Subscribe is available only in selected cities. ##Offers include consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offers (wherever applicable) on select models/variants. Finance is at the sole discretion of the financer by selected finance partners. #Prices and savings mentioned above are for select variants and may vary across cities/ variants.

विजय दशमी विशेष

भारत की अमूल्य सांस्कृतिक चेतना की संवाहक रामलीला

सदियों से चली आ रही रामलीलाओं की परंपरा आज भी देश के कोने-कोने में अपनी पूरी भव्यता के साथ आयोजित की जाती है। देश ही नहीं विदेशों में भी रामलीलाओं के जरिए उच्च मानवीय मूल्यों का संवहन हो रहा है। वास्तव में रामलीला केवल पौराणिक कथा का मंचन नहीं, भारतीय जनमानस की सांस्कृतिक आस्था का अमूल्य धरोहर भी है।

कनाडा में आयोजित रामलीला का दृश्य

कंबोडिया में रामलीला का मंचन

आवरण कथा
नरेंद्र शर्मा

रामलीला महज एक धार्मिक नाट्य मंचन या लीला आयोजन भर नहीं है। बल्कि यह भारत की जीवित सांस्कृतिक आत्मा है और दुनिया भर में भारतीय मूल्यों की जीवंत राजदूत की भूमिका निभाती है। भारत के बाहर चाहे इंडोनेशिया हो, थाइलैंड हो, त्रिनिदाद हो या मॉरीशस या फिजी, जहां भी भारतीय पहुंचे हैं, वो अपने साथ रामलीला लेकर भी गए हैं।

मानव मूल्यों का संदेशवाहक: रामलीला में अध्यात्म, कला, संगीत, नृत्य, रंगमंच और लोकसंस्कृति सब समाहित होता है। यही कारण है कि साल 2008 में यूनेस्को ने रामलीला को विश्व की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर घोषित किया, जो दुनिया को भारतीय संस्कृति की अद्वितीय देन है। रामलीला का वृहत वैश्विक महत्व है, क्योंकि ये महज नाटक नहीं मानव मूल्यों का संदेशवाहक है। रामलीला सत्य, धर्म, न्याय, त्याग, भाईचारे और करुणा जैसे सार्वभौमिक मूल्यों का वैश्विक दस्तावेज है। रामलीला के मूल्य सिर्फ हिंदू समाज या भारतभूमि तक सीमित नहीं हैं बल्कि ये समूची मानवता का पथ-प्रदर्शक है। दुनिया के अनेक देशों जैसे इंडोनेशिया, थाइलैंड, कंबोडिया, त्रिनिदाद, फिजी, सूरीनाम, मॉरीशस, अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा में रामलीलाओं का मंचन भारत में सांस्कृतिक ध्वजा की तरह लहराता है। यहां की स्थानीय बोली, गीत, वेशभूषा और कलात्मक शैली मिलकर इसे एक वैश्विक नाट्य परंपरा बनाते हैं।

अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर: रामलीला दुनिया की अमूल्य धरोहर इसलिए है, क्योंकि यह धर्म और संस्कृति को साझे लोकमंच में बदलती है। रामलीला में दर्शक और कलाकार के बीच कोई भेद नहीं रहता। कलाकार और कला के दर्शक दोनों एक ही भाव जगत में रहते हैं, इसलिए रामलीला भारत में पीढ़ी दर पीढ़ी मौखिक परंपरा और लोकसंस्कृति का संरक्षण करती है। आज दुनिया के मंच पर यह भारत की मजबूत पहचान है। दुनिया इस बात को स्वीकारती है कि भारत केवल तकनीकी और विज्ञान ही नहीं बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक मूल्य भी प्रदान करता है। इसलिए यूनेस्को ने रामलीला को 'इंटेजिबल कल्चर हेरिटेज ऑफ ह्यूमेनिटी' कहा है।

लोककला-लोकआस्था का संगम: रामलीला का मंचन केवल रामकथा का मंचन नहीं है बल्कि यह जीवन के सबसे संभावित आदर्श पाठों का मंचन होती है, जब हमारे बीच में ही साधारण लोग मजदूर, किसान, छात्र, युवा आदि राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान आदि का रूप धरकर रामकथा प्रस्तुत करते हैं तो यह धारणा प्रबल होती है कि सत्य और मूल्य किसी एक का नहीं बल्कि समूची मानवता का उनमें साझा है। रामलीला की महत्ता इस बात से भी है कि यह लोककला और लोकआस्था का अनोखा संगम है। मंच पर, मंच के नीचे और हर तरफ मौजूद लोग रामलीला के कलाकारों के साथ ही दोहे, भजन और चौपाइयां दोहराते हैं और फिर ढोल, नगाड़े और लोकनृत्यों में पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकार एक जीवंत कथा, उत्सव रचते हैं। इसलिए रामलीला को सामूहिक उत्सव कह सकते हैं। इसके कलाकार भी भाव-विभोर होते हैं। रामलीला का अस्तित्व सदियों से मौखिक परंपरा द्वारा पीढ़ी दर पीढ़ी जीवित रहा है।

वाराणसी के निकट रामनगर की रामलीला

अयोध्या की भव्य रामलीला

वैश्विक संरक्षण का हो रहा प्रयास: विद्यालयों और महाविद्यालयों में रामलीला के मंचन को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है और इस सबका अब डिजिटल दस्तावेजीकरण भी हो रहा है, ताकि दुनिया में यह महान सांस्कृतिक परंपरा हमेशा के लिए बनी रहे। आज रामलीलाओं की डिजिटल रिकॉर्डिंग और डॉक्यूमेंट्री फॉर्म में विकसित की गई रामलीलाएं दुनिया भर में देखी जा रही और सराही जा रही हैं। आज यह पर्यटन और सांस्कृतिक महोत्सवों का हिस्सा हैं। जैसे वाराणसी की रामनगर की रामलीला, भारत की यह अमूल्य सांस्कृतिक विरासत आज पूरी दुनिया में अपनी भव्य पहचान रखती है।

आज अमेरिका के ह्यूस्टन में हर साल भव्य रामलीला का आयोजन होता है, जिसमें पूरी दुनिया के महत्वपूर्ण कलाकार हिस्सा लेते हैं और भारत की इस सांस्कृतिक परंपरा की खुशबू दुनिया के कोने-कोने तक फैलती है। रामलीला भारत की संवेदनशील विश्व धरोहर है। चूंकि यह निरा संस्कृति ही नहीं इसमें धार्मिक आस्थाओं के तार भी जुड़े हैं। इसलिए जरा भी उपेक्षा या अतिरिक्त व्यावसायिकता इसके मूल भाव को कमजोर कर सकती है। यही कारण है कि रामलीला के आयोजन में चाहे जितना धन खर्च कर दिया जाए, इसे पूर्णतः व्यावसायिक नहीं बनाया जाता या बनाया जा सकता, क्योंकि यह भारत की एक ऐसी परंपरा है, जिसमें लोक धर्म और लोक आस्था की जड़ें गहरे तक फैली हैं।

व्यावसायिकता से है दूर: रामलीला, हिंदू संस्कृति, अध्यात्म और भारतीय जीवन मूल्यों की प्रतिनिधि मानी जाती है। इसलिए इसमें पूर्णतः व्यावसायिक रंग नहीं आ सकते। धरोहर के रूप में इसका संरक्षण जरूरी है, लेकिन मनोरंजन के रूप में नहीं। इसलिए रामलीलाओं को आज भी व्यावसायिकता से बचाकर रखा जाता है। अयोध्या, वाराणसी, रामनगर, मथुरा, मध्य प्रदेश और बिहार से लेकर दक्षिण भारत तक रामलीलाओं की शैलियां अलग-अलग और स्थानिकता से ओतप्रोत हैं। लेकिन कभी भी किसी शैली को एक-दूसरे से सुधारने की कोशिश नहीं की जाती, न ही रामलीलाओं को मुंबई, चेन्नई या कोलकाता की व्यावसायिक सिने इंडस्ट्री के हवाले किया जाता है। आदर्श रामलीलाएं आज भी अयोध्या और वाराणसी में होती हैं और इनकी तुलना कोई मुंबई से नहीं करता क्योंकि रामलीला भारत की धार्मिक, आध्यात्मिक और संस्कृति का मंच है। किसी नाटक या फिल्म का नहीं, इसलिए रामलीलाओं पर आज भी लोक की भागीदारी ज्यादा और मजबूत रहती है। *

विशेषः गांधी जयंती, 2 अक्टूबर

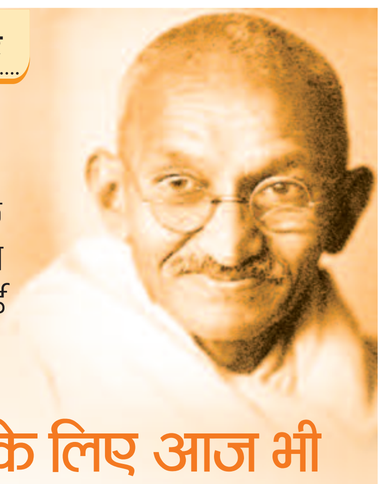

गांधी किसी व्यक्ति का नहीं एक विचारधारा, एक जीवनदर्शन का नाम है। यही वजह है कि उनके जाने के दशकों बाद आज भी देश और विश्व के समक्ष उपस्थित कई गंभीर संकटों का हल उनके विचारों में पाया जा सकता है।

देश-दुनिया के लिए आज भी कायम है गांधीजी की प्रासंगिकता

प्रासंगिकता
लोकमित्र गौतम

महात्मा गांधी 20वीं शताब्दी की एक ऐसी शख्सियत हुए हैं, जो अपने विलक्षण गुणों के कारण कभी विस्मृत नहीं किए जा सकेंगे। अपने न रहने के 78 सालों बाद आज भी एक दिन ऐसा नहीं होता, जब गांधी की प्रासंगिकता और जीवन में उनके किसी पहलू की अहमियत हमें रह-रहकर न याद आती हो। यकीन मानिए, महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आईंस्टीन ने सही कहा था कि एक ऐसा वक्त आएगा, जब दुनिया के लोग अचंभा करेंगे कि गांधी जैसा कोई चलता-फिरता शख्स भी इस दुनिया में हुआ था। गांधी की यही विराट प्रासंगिकता है, जो उन्हें हर पल हम सभी को याद आती है।

युवाओं के मार्गदर्शक: अगर हम आज की इस बेहद रफ्तार भरी या कहें कि अंधी दौड़ में उलझी दुनिया में युवाओं के लिए सोचें कि वे गांधी से क्या सबक सीख सकते हैं, तो यकीन मानिए क्वांटम तकनीक के पास उतनी संभावनाएं नहीं हैं, जितनी संभावनाएं गांधी के जीवनदर्शन में युवाओं के सीखने के लिए हैं। 21वीं सदी का परिदृश्य अनुमान से कहीं ज्यादा तेजी से बदला है। विज्ञान और तकनीक ने जीवन को जो असाधारण गति दी है, शायद कभी इंसान ने कल्पना भी न की होगी। इंटरनेट, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक्स और सोशल मीडिया का क्लाउड यह सब ऐसी चकाचौंध है, जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। लेकिन फिर भी इंसान सुखी नहीं है। न युवा, न अधेड़ और न ही किशोरों की जिंदगी में किसी तरह का सुख, सुखद उम्मीदें और स्थायित्व है। शायद यही इस प्रगति की सबसे बड़ी खामी है। प्रगति की इस अंधी दौड़ में सब कुछ पाने की धुन में सब कुछ बिखरा-बिखरा है। आज चाहे कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इंसानी क्षमताओं को कितना भी विस्तार दिया हो, लेकिन यह एहसास एक क्षण को भी नहीं भूलता कि हमारी सारी उपलब्धियां मशीनी नहीं तो क्या हैं? जब तक इंसान को किसी भी क्षेत्र में दिली संतुष्टि न हो तो किसी भी उपलब्धि का क्या अर्थ है? आज की प्रगति के साथ यही है और ऐसे ही समय में महात्मा गांधी का जीवनदर्शन आज की पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक बनने की पूरी संभावनाएं रखता है। कुछ लोगों ने महात्मा गांधी को तकनीक विरोधी साबित करने की कोशिश की, पर वह ऐसे नहीं थे। वह दुनिया की हर उपलब्धि, हर चाहत, हर जरूरत को इंसान के केंद्र में रखने के पक्षधर थे। वह किसी भी उपलब्धि को इंसान होने की भव्यता और विशिष्टता से परे नहीं मानते थे। गांधीजी स्पष्ट तौर पर मानते थे कि कोई साधन तभी सार्थक है, जब वह समाज के अंतिम व्यक्ति को भी उपलब्ध हो या उससे वह लाभ ले सके। अगर गहराई से देखें तो यह तकनीक का सर्वाधिक लोकतंत्रीकरण करना है। आज जब तकनीक का बड़ा हिस्सा केवल अमीर देशों और कॉर्पोरेट कंपनियों के हाथों में केंद्रित है, तब युवा, गांधी दर्शन से प्रेरणा ले सकते हैं कि तकनीक की उन्नति का तभी कोई अर्थ है, जब वह समाज में अंतिम व्यक्ति के लिए भी उपलब्ध हो।

देते हैं पर्यावरण संरक्षण की सीख: आज की तकनीकी क्रांति ने हमारे पर्यावरण को बहुत गहरे तक प्रभावित किया है। ई-कचरा, कार्बन उत्सर्जन और बेतहाशा उपभोग आज की सबसे बड़ी समस्या है। प्रकृति के असंतुलन का सबसे बड़ा कारण यही है। ऐसे में युवाओं को सीखना होगा कि तकनीक का प्रयोग पर्यावरण, संवेदनशील ढंग से हो। ग्रीन एनर्जी आधारित इनोवेशन आज गांधीगीरी का ही रूप है और ई-कचरे का जितना ज्यादा रि-साइकिलिंग हो, अच्छा है। इसे सादा जीवन और प्रकृति के साथ संतुलन बनाने की कोशिश ही समझना चाहिए। आज हम इस 2025 में अब तक के इतिहास में सबसे ज्यादा तकनीकी रूप से समृद्ध हैं, लेकिन मानवीय दृष्टि और नैतिकता की हमें नितांत जरूरत है। यह हम तभी हासिल कर सकते हैं, जब आज के वैज्ञानिक और तकनीकी जीवन को गांधी जी की अंतर्दृष्टि से देखें। आज का दौर अपग्रेड कल्चर का भी है, लेकिन कल्चर में अपग्रेड होने के नाम पर हो क्या रहा है? हम नया फोन बदल रहे हैं, नए एप्स से जुड़ रहे हैं, नई कारें खरीद रहे हैं और अंततः उपभोग की नई कोशिशें कर रहे हैं। हम सब जानते हैं कि गांधीजी ने कहा था, 'पृथ्वी सबकी जरूरतें तो पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच के सामने भी यह कम पड़ेगी।' जरा सोचिए, किसी एक की जगह जब पूरी दुनिया ही अपने लालच में डूब गई हो तो भला यह धरती कैसे उसकी जरूरतें पूरी कर सकती है।

जलवायु संकट, पर्यावरण विनाश दुनिया में उपभोग के कचरों के ढेर, ये एक नहीं इस दौर में अधिकतम लोगों के लालच की निशानियां हैं। अगर दुनिया को सुरक्षित रखना है, दुनिया को जीने लायक बनाए रखना है तो इस लालच से दूर रहना होगा और गांधी दर्शन ही काम आएगा कि हम जीवन जीने के लिए चीजों को एकत्र करें, चीजों को जुटाने के लिए न जीएं। *

पर्वोत्सव / वीरेंद्र बहादुर सिंह

आसुरी वृत्तियों पर सत्य-धर्म के विजय का उत्सव दशहरा

गीता के अध्याय 18/श्लोक 78 में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है-

यत्र योगेश्वरः कृष्णो, यत्र पार्थो धनुर्धरः।
तत्र श्रीः विजयोभूति, ध्रुवा नीतिः मतिः मम।।

कहने का अर्थ है कि जहां योगेश्वर श्रीकृष्ण हैं और जहां धनुर्धर पार्थ (अर्जुन) हैं, वहां विजय है। वहां लक्ष्मी हैं, कल्याण है और शाश्वत नीति है- ऐसा मेरा मत है।

योगेश्वर कृष्ण का अर्थ है ईश्वरीय कृपा और धनुर्धर पार्थ का अर्थ है मानव प्रयास। जहां ये दोनों मिलते हैं, वहीं विजय का नाद सुनाई देता है। यही निर्विवाद सत्य है। वास्तव में दशहरा, इसी भक्तिभाव और शक्ति के समन्वय का उत्सव है। नवरात्र में नौ दिन तक मां जगदंबा की उपासना कर शक्ति प्राप्त करने के बाद विजय की आकांक्षा जागना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से दशहरा विजय-प्रस्थान का उत्सव है।

विजय प्रस्थान का प्रतीक पर्व: व्यक्ति और समाज की रगों में वीरता का संचार हो, इसके लिए दशहरा मनाया जाता है। शत्रु की दुष्टता को दबाने का यह उत्सव है। भगवान श्रीरामचंद्र के समय से ही यह दिन विजय-प्रस्थान का प्रतीक बना। प्रभु श्रीरामचंद्र ने रावण का संहार करके इसी दिन विजय प्राप्त किया था। छत्रपति शिवाजी ने भी औरंगजेब को परास्त करने और हिंदू धर्म की रक्षा करने हेतु इसी दिन प्रस्थान किया था। इतिहास में अनेक उदाहरण हैं, जब हिंदू राजाओं ने इसी दिन विजय-प्रस्थान किया।

प्रचलित पौराणिक कथा: कथानुसार एक बार रघुराज ने कुबेर देवता को, जो सदैव धन संचय में लगे रहते थे, इसकी सीमा उल्लंघन के प्रति आगाह किया। भयभीत होकर कुबेर ने विजय दशमी की तिथि पर शमी वृक्ष पर स्वर्ण मुद्राओं की वर्षा की। इसके एवज में शमी वृक्ष ने उन्हें असीम वैभव का वरदान दिया। तभी से दशहरे पर शमी वृक्ष की पूजा की जाने लगी। पांडवों ने अपने वनवास के अज्ञातवास में अपने दिव्य शस्त्र शमी वृक्ष पर छुपा रखे थे। इसलिए भी इसका महत्त्व है। इसी कारण दशहरा शस्त्र-पूजन का पारंपरिक दिन माना जाता है। विजय दिलाने वाले शस्त्र ही हैं, इसलिए शस्त्र-पूजन द्वारा इस भाव को व्यक्त किया जाता है।

अंतःशत्रुओं से रहें सजग: जिस तरह हमारे चारों ओर नकारात्मकता से भरपूर बाहरी शत्रु होते हैं, वैसे ही हमारे भीतर भी कई शत्रु छुपे होते हैं, जिन पर हम अकसर ध्यान ही नहीं देते हैं। काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्सर, ये मानव मात्र के षडरिपु हैं। विजयादशमी के इस शुभ दिन संकल्पित होकर इन शत्रुओं को परास्त करने के लिए अग्रसर होना चाहिए। इनके अलावा आलस्य भी मनुष्य का एक बड़ा शत्रु माना गया है। इसके बारे में कहा गया है-

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महारिपुः यानी, आलस्य मनुष्य के शरीर में स्थित महान शत्रु है। जीवन में प्रगति और विजय पाने के लिए उक्त छह दुर्गुणों के अलावा दृढ़ संकल्प से इस स्थायी शत्रु पर काबू पाना भी आवश्यक है।

नैतिक मूल्यों की स्थापना का लें संकल्प: आज समाज में नैतिक मूल्यों पर संकट मंडरा रहे हैं। लगता है समाज की भव्य संस्कृति, अपने अवसान की ओर बढ़ रही है। ऐसे समय में सदाचारी और सत्यपथ पर चलने वाले व्यक्ति चुपचाप कैसे बैठ सकते हैं? बढ़ती हुई आसुरी वृत्तियों को यथाशक्ति रोकने का प्रयास हम सभी जरूर करें। योगेश्वर और संपूर्ण ब्रह्मांड की सकारात्मक शक्ति मेरे साथ है, मैं आसुरी वृत्तियों को मिटाने में स्वयं को समर्पित कर दूंगा, दशहरे पर यही दृढ़ संकल्प हमें करना चाहिए।

सार रूप में कह सकते हैं कि दशहरे का पर्व, समाज में फैली दीनता, हीनता, लाचारी के साथ-साथ अनैतिकता, भ्रष्टाचार और भोग वृत्ति जैसे मानवीय दुर्गुणों को नष्ट करने का संकल्प लेने का दिन है। वीरता का वैभव, शौर्य का श्रृंगार, पराक्रम और शस्त्रों की पूजा- यही दशहरा का निहित संदेश है। वास्तव में दशहरा भक्ति और शक्ति का पवित्र मिलन का पर्व है। *

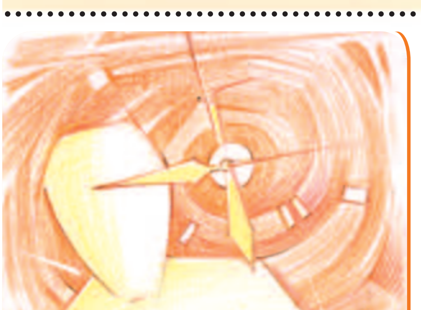

गजल
गोविंद सेन

सच्चा लगता है

सच बतलाना क्या लगता है
मेरा कुछ अच्छा लगता है
ऊपर से देखा है उसको
भीतर कुछ बदला लगता है
लगता है थोड़ा सा सीधा
थोड़ा सा उल्टा लगता है
बचकानी है उसकी बातें
पचपन में बच्चा लगता है
माना हमने कड़वा है वो
पर बिल्कुल सच्चा लगता है

लघुकथाएं

कन्या पूजन

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रभुदयाल जी के घर पर नवरात्र हवन, कन्या पूजन का आयोजन चल रहा था। अचानक बाहर सड़क का शोर सुनकर वह उठकर भागते हुए बाहर चले गए। कन्या पूजन और हवन की समाप्त होने के बाद घर लौटकर आए। पंडित जी और घर वाले नाराज होकर बोले, 'आपको इस तरह हवन, कन्या पूजन छोड़कर नहीं जाना था। यह दुनिया है, यहां कुछ न कुछ तो होता ही रहता है। इसका यह मतलब नहीं है कि पूजा-पाठ छोड़कर चल दो, यह गलत बात है।' प्रभुदयाल जी ने बताया, 'बाहर एक कन्या को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। मैं उसको लेकर तुरंत अस्पताल चला गया। उसके होश आने पर ही वापस आया हूं। मेरे लिए तो यह कार्य हवन, कन्या पूजन और कन्या भोज से कम नहीं था।' पंडित जी दक्षिणा आदि लेकर चले गए, लेकिन कुछ ही देर बाद वापस लौटे आए। पश्चाताप के आंसू लिए प्रभुदयाल जी से बोले, 'जिस कन्या की आपने मदद की है, वो मेरी ही कन्या है। घर से भागकर जब मैं अस्पताल पहुंचा तो डॉक्टर ने बताया कि प्रभुदयाल जी अगर सही समय पर आपकी बेटी को लेकर नहीं आते तो इसकी जान जा सकती थी। आपका यह मदद करने का जज्बा मेरे लिए आज एक 'दिव्य उपहार' है। आप जैसे लोग देवदूत होते हैं।' पंडित जी एक पल ठहर कर आगे बोले, 'आप सही हैं प्रभुदयाल जी, किसी प्रकार की भक्ति, साधना, अभिषेक, हवन और कन्या पूजन से भी बड़ी है करुणा। यही शक्ति सेवा है। आपको यह नवदुर्गा, नवरात्र क्या, जीवनभर की नवदुर्गा, नवरात्र का हवन, कन्या पूजन और कन्या भोज का पुण्य आज ही मिल गया। ईश्वर आपको दीर्घायु दें।' *

-चंद्रप्रकाश डाले

भीख का स्वाद

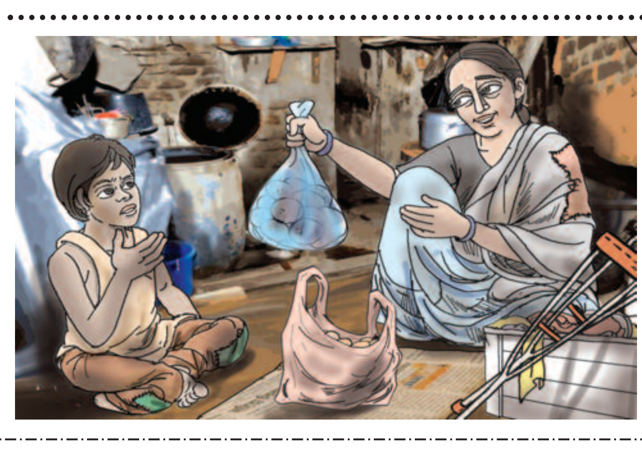

बैसाखी के सहारे चलकर, अपने कंधे पर दो भारी थैले लादकर वह अपनी झोपड़ी में आ गया। उसका चेहरा निस्तेज था। लेकिन उसकी आहट से सतर्क हुई मां ने लपक कर उससे थैला छीन लिया। रद्दी अखबार फैला कर खाद्य सामग्री उत्सुकता से देखने लगी। खाद्य सामग्री देखकर वह खुश हो गई, बोली, 'आहा! आज तो खाने के लिए खूब माल मिला है। दो दिन तक अपना काम चल जाएगा। आ.. आजा.. खा ले। पर सुन, तेरे चेहरे पर इतनी मुर्दनगी क्यों छाई हुई है?'

उसने बैसाखी एक तरफ रख दी। मां-बेटे इत्मीनान से भूख मिटाने लगे।

'बढ़िया स्वाद है ना।' मां पूड़ी चबाते हुए बोली।

'हां, मां, लेकिन है तो यह भीख ही।' उसने उदास स्वर में लड़के ने मां को जवाब दिया। *

-पूनम पांडे

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

मधुर स्मृतियों का कोलाज

संस्मरणों पर साहित्यिक पत्रिकाओं के विशेषांक कम ही निकलते हैं। इस पर भी 'निकट-42 (संस्मरण विशेषांक)' इस मायने में विशिष्ट है कि इसमें साहित्यिक विभूतियों या नामचीन हस्तियों के बजाय साधारण लोगों पर लिखे गए असाधारण संस्मरणों को संजोया गया है। वरिष्ठ कथाकार अमरीक सिंह दीप ने अपने संस्मरण में ग्रामीण इलाके की पहली यात्रा से जुड़ी अनुभूतियों को बयां किया है तो लता शर्मा ने अपने संस्मरण में एक ऑटो वाले के आत्मीय स्नेह को याद किया है। अपूर्व जोशी ने अपनी मां के विराट व्यक्तित्व को शब्दांकित किया है तो आरती आस्था ने अपने कार्यस्थल पर होने वाले वैचारिक संघर्ष की स्मृतियों को पूरी बेबाकी से बयां किया है। बीरबल नामक घोड़े पर पारुल तोमर ने बहुत मार्मिक संस्मरण लिखा है। शेष संस्मरणों में व्यंकटरमण, धनंजय सिंह, रजनी गुप्त, मनीष वैद्य, अमिता दुबे और पंकज सुबीर के संस्मरण भी विशेष रूप से पठनीय हैं। कहने की जरूरत नहीं मधुर स्मृतियों का यह शाब्दिक कोलाज, पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

पत्रिका: निकट-42 (सितंबर-दिसंबर 2025 अंक-संस्मरण विशेषांक), **संपादक:** कृष्ण बिहारी, **मूल्य:** 50 रुपए

जैकेट के शेष

विजय की रैली में भगदड़, आठ ...

बोतलें पहुंचाने की कोशिश की। एंबुलेंस को भीड़-भाड़ वाली सड़क से होते हुए घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। बेहोश हुए लोगों को एंबुलेंस से पास के अस्पतालों में ले जाया गया और बताया जा रहा है कि उनमें से कुछ लोगों की हालत खराब है। विजय ने स्थिति को समझते हुए अपना भाषण निर्धारित समय से पहले ही समाप्त कर दिया। सीएम स्टालिन ने स्थिति की समीक्षा के लिए सचिवालय में राज्य के शीर्ष अधिकारियों की बैठक बुलाई और बताया कि मृतकों में 16 महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने इस घटना की जांच के लिए न्यायमूर्ति अरुणा जगदीशन के नेतृत्व में एक जांच आयोग के गठन की भी घोषणा की। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने तमिलनाडु सरकार से भगदड़ पर रिपोर्ट मांगी है।

इस बीच, तमिलनाड के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि 'करूर से मिली जानकारी चिंताजनक' है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम और जिलाधिकारी को हरसंभव सहायता प्रदान करने की सलाह दी। उन्होंने मंत्री अन्बिल महेश को भी सहायता प्रदान करने के लिए करूर जाने को कहा है। घटना की सूचना पर मंत्री, शीर्ष प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी करूर पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष पुलिस अधिकारियों को करूर में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश दिया है। स्टालिन ने करूर में आम जनता से चिकित्सकों और पुलिस के साथ सहयोग करने की अपील की।

पेज एक के शेष

विकासशील का स्वागत ...

से विदाई दी जाएगी। यह अवसर इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि छत्तीसगढ़ गठन के बाद यह सिर्फ दूसरी बार है, जब किसी मुख्य सचिव को कैबिनेट स्तर पर विदाई दी जा रही है। इससे पहले फरवरी 2014 में तत्कालीन मुख्य सचिव सुनील कुमार को कैबिनेट ने विदाई दी थी।

अहम फैसलों की संभावना, कई मुद्दों पर होगी चर्चा : कैबिनेट बैठक में केवल प्रशासनिक बदलाव ही नहीं, बल्कि राज्य से जुड़े कई विकासपरक और नीतिगत फैसले लिए जाने की संभावना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की नई सरकार लगातार राज्य में विकास, निवेश, कानून व्यवस्था और जनहित की योजनाओं पर फोकस कर रही है। ऐसे में इस बैठक से कुछ बड़े ऐलान या योजनाएं सामने आ सकती हैं, जिनका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा।

विकासशील होंगे छग ...

अमिताभ जैन, जो एक कुशल और लोकप्रिय अधिकारी रहे हैं, उन्हें कैबिनेट द्वारा विदाई देना एक सम्मानजनक परंपरा को आगे बढ़ाने जैसा कदम है। आमतौर पर मुख्य सचिवों को पद से रिटायर होने के

बाद सामान्य प्रक्रिया में विदाई दी जाती है, लेकिन कैबिनेट स्तर पर यह विशेष विदाई इस बात का प्रतीक है कि सरकार उनके योगदान को कितनी गंभीरता से स्वीकारती है।

मृतकों के परिजनों को...

जारी कर बताया कि हादसे में मृत मजदूरों के परिजनों को 45-45 लाख रुपए मुआवजा राशि देने की घोषणा की है। साथ अंतिम संस्कार के लिए एक-एक लाख रुपए नकद राशि दी है। साथ ही प्रभावित परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की प्लांट प्रबंधन ने घोषणा की है। जिन मृतकों के घर में कोई नौकरी करने योग्य नहीं है, उसके परिवार के सदस्य को 62 वर्ष उम्र तक पेंशन राशि देने की घोषणा की गई है। साथ ही मृतक मजदूर के परिवार के बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा के साथ उच्च शिक्षा के लिए फीस की राशि देने की घोषणा की है।

गायक जुबिन के ...

आकर अपना बयान देना होगा, अन्यथा पुलिस उनके लिए तलाशी अभियान तेज कर देगी। उन्होंने कहा, चूंकि दुर्गा पूजा उत्सव शुरू हो जाएगा, हम नहीं चाहते कि वे अभी आएं। लेकिन दशमी के बाद उन्हें आना होगा। उन्हें छह अक्टूबर को गुवाहाटी आकर अपना बयान दर्ज कराना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा, अगर वे अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के सामने पेश नहीं होना चाहते, जो 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में डूबने से गर्ग की मौत के मामले की जांच कर रही है, तो वे अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। उन्होंने कहा कि महंत के बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड का लेन-देन रोक दिया गया है ताकि वह लंबे समय तक बाहर न रह सकें।

पीएम रिपोर्ट हो रहा तैयार : सरकार सिंगापुर से गर्ग की पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त करने की प्रक्रिया में है। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में किए गए दूसरे पोस्टमार्टम की रिपोर्ट भी 'तैयार' है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पुलिस जांच में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के वास्ते एक वर्तमान न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग गठित करने के लिए शुक्रवार को गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा है।

बर्खास्त बीएड योग्य...

भरे जाने हैं, लेकिन सरकार ने इन पदों पर बर्खास्त शिक्षकों को समायोजित कर नियमों का उल्लंघन किया है। सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि 4422 रिक्त पदों में से 2621 बर्खास्त शिक्षकों को समायोजित किया,जो अप्रैल 2024 में हाईकोर्ट के आदेश से बर्खास्त हुए थे। यह तमाम शिक्षक बीएड धारक थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद डीएड योग्यता जरूरी होने से उनकी सेवाएं समाप्त हुई।

वैश्विक पनडुब्बी बचाव के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध भारत

नई दिल्ली। दक्षिणी चीन सागर में बढ़ती चीन की आक्रामकता के बीच भारतीय नौसेना ने एक्सपीआर-25 युद्धाभ्यास के समुद्री चरण के तहत विदेशी पनडुब्बी जहाजों के साथ अपनी पहली मुलाकात की अहम उपलब्धि हासिल की है। एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए नौसेना ने इसकी जानकारी दी। जिसमें तीन पनडुब्बियां, तीन साथी और तीन दिन टाइटल देते हुए बताया कि भारतीय नौसेना ने हस्तक्षेप और बचाव कार्यों के पूर्ण स्पेक्ट्रम का संचालन करते हुए युद्धाभ्यास के दौरान दक्षिण चीन सागर में विदेशी पनडुब्बियों के साथ पहली मुलाकात सफल रही। इन तीन दिनों तक हम सभी आरओवी अभियान में शामिल थे। जो कि हमारी बढ़ती वैश्विक बचाव क्षमताओं को प्रदर्शित करती है। एक्स पोस्ट में नौसेना ने यह भी कहा कि यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय पनडुब्बी बचाव के लिए हमारी तत्परता, अंतर-संचालन और प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह भारत को एक भरोसेमंद समुद्री साझेदार और समुद्र में क्षेत्रीय सुरक्षा व मानवीय प्रतिक्रिया में सक्रिय योगदानकर्ता के रूप में भी साबित करती है।

जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन से अपने राजदूतों को बुलाया ईरान ने

तेहरान। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र के पुराने परमाणु प्रतिबंधों को दोबारा लागू करने की कोशिशों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन से अपने राजदूतों को तुरंत वापस बुला लिया है। यह कदम तेहरान में कूटनीतिक तनाव को नई ऊंचाई दे सकता है, जहां ईरान का परमाणु कार्यक्रम लंबे समय से वैश्विक विवाद का केंद्र रहा है। तीनों देशों ने ईरान पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के साथ सहयोग नहीं करने और अमेरिका के साथ सीधी बातचीत नहीं करने के कारण हटाए गए प्रतिबंधों को फिर से लागू करने पर जोर दिया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक बयान में कहा, 'ये यूरोपीय देश परमाणु समझौते को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं। हम अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएंगे।' तेहरान ने इन प्रतिबंधों को 'अवैध और एकतरफा' करार देते हुए चेतावनी दी है कि इससे क्षेत्रीय स्थिरता पर बुरा असर पड़ेगा।

■ परमाणु प्रतिबंध को लेकर फिर बढ़ा तनाव

यूरोप का आरोप

ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने बीते महीने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को लिखे पत्र में आरोप लगाया कि ईरान ने अपने परमाणु वादों का पालन नहीं किया। इसके साथ ही प्रक्रिया शुरू हुई, जिसके तहत ईरान को 30 दिन का समय दिया गया कि वह बातचीत से रास्ता निकाले, वरना एक दशक पुराने कड़े प्रतिबंध फिर से लागू हो जाएंगे।

अमेरिका ने कोलंबियाई राष्ट्रपति का वीजा किया रद्द

वाशिंगटन। अमेरिका ने कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेत्रो का वीजा रद्द करने की घोषणा की है। पेत्रो ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में एक प्रो-फिलिस्तीन रैली में हिस्सा लिया और अमेरिकी सैनिकों से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश न मानने की अपील की। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पेत्रो की 'गैरज़िम्मेदार और भड़काऊ कार्रवाइयों' के चलते यह कदम उठाया गया है। यूएन मुख्यालय के बाहर प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए पेत्रो ने कहा कि फ़िलिस्तीनियों को आजाद कराने के लिए एक वैश्विक सशस्त्र बल बनना चाहिए, जो अमेरिका से भी बड़ा हो. उन्होंने अमेरिकी सैनिकों से अपील की, 'ट्रंप के आदेश मत मानो, इंसानियत के आदेश मानो।'

■ फिलिस्तीन समर्थक रैली में ट्रंप को दी थी चुनौती

पेत्रो, जो कोलंबिया के पहले वामपंथी राष्ट्रपति हैं, लंबे समय से गाजा युद्ध में इजराल और अमेरिका के रुख के आलोचक रहे हैं। इस हफ्ते संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान भी उन्होंने ट्रंप पर गाजा में 'नरसंहार का सहयोगी' होने का आरोप लगाया और कहा कि अमेरिकी मिसाइल हमलों के लिए आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए।

दुनिया की 80% समस्याओं के पीछे बूढ़े नेता

वाशिंगटन। बराक ओबामा ने कहा कि दुनिया की लगभग 80% समस्याओं के पीछे बुज़ुर्ग नेता हैं, जो सत्ता पर काबिज़ रहना चाहते हैं और हर चीज़ पर अपना नाम लिखवाते हैं। ओबामा ने कहा कि लोकतंत्र में प्रगतिशील सोच वाले बदलाव चाहते हैं, जबकि ट्रंप जैसे नेता पुराने और रूढ़िवादी दृष्टिकोण पर टिके रहते हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा कि दुनिया की लगभग 80 फीसदी समस्याओं के पीछे बुज़ुर्ग नेताओं का सत्ता पर काबिज़ रहना है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ऐसे नेता हर चीज़ पर यहां तक कि 'पिरामिड' पर भी अपना नाम लिखवा रहे हैं। ओबामा की इस टिप्पणी को 77 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप पर कटाक्ष के रूप में देखा जा रहा है।

ब्रिटिश इतिहासकार से हुई चर्चा : 64 वर्षीय बराक ओबामा ने लंदन में ब्रिटिश इतिहासकार डेविड ओलुसोगा से बातचीत के दौरान कहा कि ये कहना उचित है कि दुनिया की 80 प्रतिशत समस्याओं में वे बुज़ुर्ग लोग शामिल हैं, जो सत्ता पर काबिज़ हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे नेता हार मानने को तैयार नहीं हैं। वे पिरामिड बनाते हैं और हर चीज़ पर अपना नाम लिखवाते हैं। वे इसी को लेकर बेहद चिंतित रहते हैं। ये टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में वॉशिंगटन डीसी में नेशनल गार्ड के सैनिकों की तैनाती का बचाव किया था।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना अनुलग्नक-अ

ई-निविदा सूचना सं: 04-यांत्रिक-सीएएमसी-एचआरई-बेम्को, दिनांक : 20.09.2025.
कार्य का नाम: खुली निविदा के आधार पर चार साल की अवधि के लिए एच.आर.ई. के सी.ए.एम.सी. का कार्य।
निविदा मूल्य : 02,23,89,516.42/- (रूपये दो करोड़ तेईस लाख नवासी हजार पांच सौ सोलह और बयालीस पैसे मात्र) समस्त खर्चों एवं जीएसटी सहित । **अमानत राशि:** 02,62,000 /-(रुपये दो लाख बासठ हजार रुपये मात्र)।
निविदा : दिनांक 13.10.2025 को दोपहर 12:00 बजे खोले जाएंगे।
उपरोक्त ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई-निविदा के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।
वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (फ्रेट)
सीपीआर/10/AM/334 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना
क्र. सं. (1) ई-निविदा सूचना संख्या: 75 एसटी टेंडर 2025 दिनांक- 20.09.2025
कार्य : SSE/SIG/No.2/BSP के तहत 02 (दो) वर्षों की अवधि के लिए बिलासपुर डिवीजन में S&T विभाग के लिए अकुशल जनशक्ति की आउटसोर्सिंग।
निविदा मूल्य: 1,77,23,735.70 (एक करोड़ सतहत्तर लाख तेईस हजार सात सौ पैंतीस रुपये और सत्तर पैसे मात्र) । **अमानत राशि:** 2,38,600/- (दो लाख अड़तीस हजार छह सौ रुपये मात्र) । **निविदा का जमा होना :** दिनांक 13.10.2025 के 15.00 बजे तक।
उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी http:/www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है उपरोक्त निविदा हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।
मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (M.L)
सीपीआर/10/AM/340 द.पू.म.रेलवे/बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

पूर्व तट रेलवे
निविदा सं.30256693, दिनांक: 22.09.2025
कार्य का नाम : वारंटी अवधि : आपूर्ति की तारीख के बाद 30 महीने के साथ बेस कर्व PSC स्लीपर (RT-8979-8982) के लिए कर्व चेक रेल (RT-8985) हेतु CI ब्रैकेट की आपूर्ति। TPI एजेन्सी द्वारा निरीक्षण, मात्रा: 26896 संख्यक।
द्रष्टव्य: सामग्री 90 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।
निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 22.10.2025 को 1500 बजे।
संपूर्ण विस्तृत विवरण www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक, वाल्टियर
PR-639/Q/25-26

रेलवे भर्ती सेल
पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर
वर्ष 2025–26 के लिए सांस्कृतिक कोटा के अंतर्गत भर्ती
रोजगार सूचना सं० एनईआर/आरआरसी/सीक्यू/2025–26 दिनांक: 24.09.2025

ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि व समय	25.09.2025, 10:00 बजे
ऑनलाइन आवेदन समाप्त होने की तिथि व समय	24.10.2025, 18:00 बजे

वर्ष 2025–26 के लिए सांस्कृतिक कोटा के अंतर्गत लेवल–2 (छठवें वेतन आयोग का ग्रेड पे रु० 1900) में ग्रुप 'सी' के 2 पदों पर भर्ती के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।
विस्तृत सूचना के लिए पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ner.indianrailways.gov.in देखें।
मुजाधि/आरआरसी–1 अध्यक्ष रेलवे भर्ती सेल, गोरखपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य एवं ईआई का प्रावधान हेतु निविदा सूचना
निविदा संख्या–749-ST-CON-R-EI-DURG दिनांक: 24.09.2025.
कार्य का नाम : दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर डिवीजन में दुर्ग–दुर्ग लिंक ब्लॉक स्टेशन रेलवे स्टेशनों के बीच चौथी लाइन के निर्माण के संबंध में सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य और रायपुर डिवीजन के दुर्ग लिंक ब्लॉक स्टेशन के एकीकरण के साथ दुर्ग स्टेशन के वितरित ईआई का प्रावधान।
अनुमानित लागत: ₹ 36,32,13,371.50/- (छत्तीस करोड़ बत्तीस लाख तेरह हजार तीन सौ इकहत्तर और पचास पैसे मात्र)।।
प्रतिभूति राशि: ₹ 19,66,100/- (उन्नीस लाख छियासठ हजार एक सौ मात्र)।।
निविदा बंद होने की तिथि: 20.10.2025 को 15.00 बजे तक।
अधिक जानकारी/पात्रता, मानदंड और उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण के लिए, कृपया उप–मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण, एस.ई.सी. रेलवे, रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें या हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध निविदा दस्तावेज देखें/डाउनलोड करें।
उप मुख्य संकेत एवं दूर. अभि./निर्माण
सीपीआर/10/350 द.पू.म. रेलवे, रायपुर
South East Central Railway @secrail

मनाल फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2025
सार्थक शिक्षा से भविष्य के जनबल का निर्माण
Manal FOUNDATION
मनाल फाउंडेशन उच्च शिक्षा के सपनों का समर्थन करने के लिए स्नातक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।
छात्रवृत्ति की मुख्य विशेषताएँ।
✓ एसटीईएम (STEM) विषयों (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) पर ध्यान देने के साथ सभी शैक्षिक धाराओं के लिए उपलब्ध है।
✓ ट्यूशन शुल्क, अध्ययन सामग्री एवं छात्रावास आवास के लिए वित्तीय सहायता।
✓ प्रथम पीढ़ी के कॉलेज छात्रों, निम्न-आय वाले परिवारों के छात्रों, एसटीईएम (STEM) में बालिकाओं, दिव्यांगजन तथा सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे विद्यार्थियों को प्राथमिकता।
योग्यता:
✓ कक्षा 12वीं में 70% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले, अथवा स्नातक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों के लिए न्यूनतम 65% अंक प्राप्त कर रहे छात्र।
✓ पूर्णकालिक स्नातक स्तर के किसी नियमित पाठ्यक्रम में नामांकित होना अनिवार्य है।
वेबसाइट: www.manalfoundation.org
आवेदन हेतु QR कोड स्कैन करें!
आवेदन नियमित रूप से स्वीकार किए जाते हैं।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद–विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग–दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान–सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

नेपाल: 18 दिन बाद सामने आए केपी ओली

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा देने के बाद पहली बार सार्वजनिक मंच पर नजर आए। वे शनिवार को पार्टी के छात्र संगठन राष्ट्रीय युवा संघ के कार्यक्रम में भक्तपुर पहुंचे. भारी प्रदर्शनों के बाद ओली ने 9 सितंबर को प्रधानमंत्री पद छोड़ दिया था। इसके बाद से वे जनता के बीच नहीं आ रहे थे। शुरुआत में केपी ओली को नेपाल आर्मी की सुरक्षा में रखा गया और बाद में एक अस्थायी घर में शिफ्ट किया गया। अब पार्टी की बैठक के बाद वे दोबारा सामने आए हैं। माना जा रहा है कि उनकी यह मौजूदगी युवाओं से जुड़ने और राजनीतिक पकड़ बनाए रखने की कोशिश है। जेन-जी हिंसा और दबाव के चलते ओली को प्रधानमंत्री पद से हटना पड़ा था। प्रदर्शन और आगजनी के बीच उन्हें पीएम हाउस से बेलिकॉप्टर के जरिए रेस्क्यू किया गया था।

शब्द पहेली - 6002

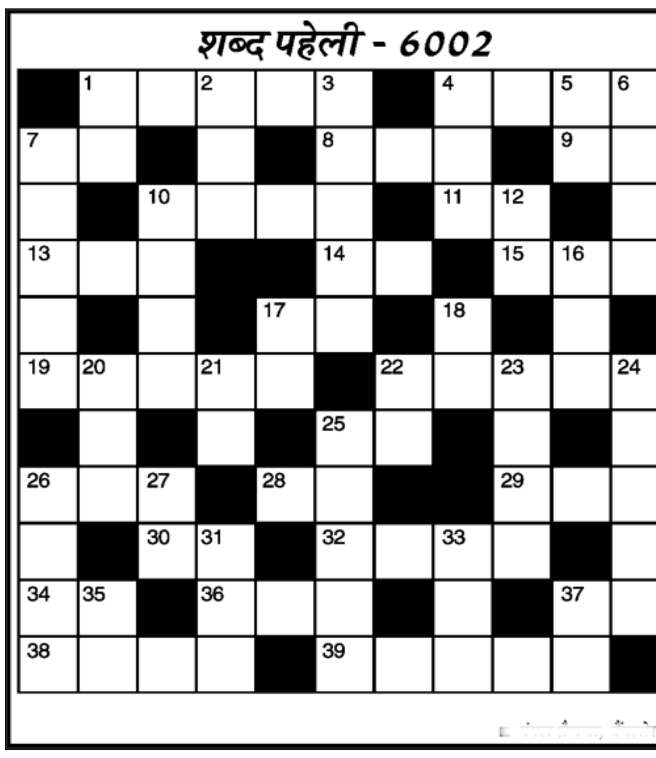

बाएँ से दाए
1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल, समय, पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु, मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र, बेटा-3
14. क्षार, खारा-2
15. दर, मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा, भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी, सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन, परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त, निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे
1. झगड़ा, बैर, द्वेष-2
2. सद्पुरुष, अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा, धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय, खौफ-2
20. वेग, गति-3
21. मुंह, चेहरा-2
22. पैर, ओहदा-2
23. वर्धनशील, बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी, कंद-5
25. सभागार, सभाकक्ष-5
26. भयंकर, खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर, डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय, प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली- 6001 का हल

सूडोकू नवताल - 6012

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6011 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

तरकश

संजय के. दीक्षित

नए मुख्य सचिव और चुनौतियां

इस स्तंभ के प्रकाशित होने के 48 घंटे बाद विकास शील छत्तीसगढ़ के नए मुख्य सचिव की जिम्मेदारी संभाल लेंगे। विकास शील के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती छत्तीसगढ़ की ब्यूरोक्रेसी की साख बहाल करने की होगी। वे ऐसे समय में प्रशासनिक मुखिया का दायित्व ग्रहण करने जा रहे हैं, जब घपले-घोटालों में सात वर्तमान और रिटायर आईएएस अधिकारी गिरफ्तार हो चुके हैं। डेपुटेशन पर सेवा देने आए इंडियन टेलीकाम सर्विस के दो अधिकारी बहती गंगा में डूबकी लगाने के चक्कर में सलाखों के पीछे पहुंच गए। और दूसरे कई मामलों में चार आईएएस अधिकारी ईडी और एसीबी के राडार पर हैं। इतना छोटा कैडर में दर्जन भर से अधिक अफसर अगर जांच एजेंसियों के निशाने पर हैं तो समझा जा सकता है स्थिति क्या है। दूसरा, कामकाज को गति देने विकास शील को सिस्टम में अनुशासन और रिजल्ट पर जोर देना होगा। कलेक्टर, एसपी को टाईट कर उनमें समन्वय बिठाने का प्रयास करना चाहिए। बीच में कुछ ऐसा वाकया हुआ, जिसमें पता चला कि जिले के कलेक्टर-एसपी में बातचीत की तो दूर की बात देखादेखी नहीं है। हालांकि, ये अच्छी बात है कि विकास शील के आने से पहले गुड गवर्नेंस की दिशा में अहम काम करते हुए मंत्रालय समेत राजधानी के सभी विभागों में ई-ऑफिस लागू कर दिया गया है। पहले जहां दो फीसदी अफसर भी टाईम पर मंत्रालय नहीं आते थे, वहीं अब 70 प्रतिशत से अधिक अधिकारी 10 बजे मंत्रालय पहुंच जा रहे। मगर बायोमेट्रिक अटेंडेंस अभी भी चालू नहीं हो पाया है। भारत सरकार में चीफ सिकरेट्री रैंक के अफसर बायोमेट्रिक अटेंडेंस लगाते हैं मगर छत्तीसगढ़ में इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न बना दिया गया है। विकास शील को खुद पहल करते हुए पहले दिन से ही बायोमेट्रिक अटेंडेंस लगाना शुरू कर देना चाहिए। जाहिर है, वे प्रारंभ करेंगे तो फिर बाकी अपने आप शुरू हो जाएंगे। जाहिर है, इस साल एक जनवरी को मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में अफसरों की बैठक ली थी, उसमें भी उन्होंने टाईमिंग और अटेंडेंस को लेकर इशारों में अपनी मंशा व्यक्त की थी।

सिस्टम में कैडर जरूरी

मंत्रालय में हालांकि, टाईमिंग फॉलो करने और ई-ऑफिस से काफी चीजें स्मूथ हुई हैं मगर मंत्रालय का सिस्टम कुछ मामलों में अभी भी पुराने ढर्रे पर चल रहा है। राज्य बनने के 25 साल बाद भी मंत्रालयीन अधिकारियों का कोई कैडर नहीं बना। लिहाजा, मैट्रिक पास भृत्य और बाबू आज भी पांच-पांच साल में प्रमोशन पाकर अंडर सिकरेट्री, डिप्टी सिकरेट्री बन रहे हैं। जबकि, दीगर राज्यों में मंत्रालयीन अधिकारियों का अलग कैडर होता है। उनकी अलग से भर्ती होती है...मंत्रालय में काम करने की ट्रेनिंग दी जाती हैं। जाहिर है, मंत्रालय में ही अगर स्किल्ड सिस्टम नहीं होगा तो फिर चीजें फास्ट कैसे होंगी। अलबत्ता, मंत्रालय के बाहर भी हाल जूदा नहीं है। प्रायमरी सेक्टर...हेल्थ और स्कूल एजुकेशन की बात करें...हेल्थ में अंधा बांटे रेवड़ी की तरह किसी को भी सीएमओ बना दिया जा रहा। ऐसे रेवड़ी वाले सीएमओ साहबों से सरकार की योजनाओं को लेकर क्या उम्मीद पाली जा सकती है। कायदे से सीएमओ का एक कैडर बनाना चाहिए। स्कूल शिक्षा में गुरूजी लोग डीईओ और जेडी बन जा रहे। प्रशासनिक अनुभव उन्हें होता नहीं। जोर-जुगाड़ करके वे प्रशासनिक पद पर पहुंच तो जाते हैं मगर उस कार्य में सक्षम नहीं होते। लिहाजा, अनियमितता में लगातार सस्पेंड हो रहे या जांच में घिर रहे। इसी तरह बाकी विभागों में भी वर्किंग सिस्टम बनाने प्रयास करना चाहिए, जो 25 सालों में नहीं हो पाया।

500 से अधिक डिप्टी कलेक्टर

छत्तीसगढ़ सरकार के पास इस समय 500 से अधिक डिप्टी कलेक्टर हो गए हैं। यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सरकार को विभिन्न विभागों के प्रशासनिक कार्यों में इनका उपयोग करना चाहिए। भूपेश बघेल सरकार ने अपर कलेक्टर रैंक के दो अफसरों को पहली बार डीपीआई में बिठाया था। मगर स्कूल शिक्षा के माफियाओं ने उन्हें साल भर तक कोई प्रभार नहीं देने दिया। हाई कोर्ट में याचिका लगी सो अलग। आखिरकार, दोनों को डीपीआई से हटाना पड़ गया। नए चीफ सिकरेट्री विकास शील को डिप्टी कलेक्टरों के सही उपयोग पर विचार करना चाहिए। संभागीय मुख्यालयों वाले जिलों में डिप्टी कलेक्टरों को जिला शिक्षा अधिकारी बनाने का आईडिया बुरा नहीं। हालांकि, ऐसा नहीं कि डिप्टी कलेक्टरों के आने से गड़बड़ियां रुक जाएंगी। मगर यह सही है कि प्रशासनिक चीजें कुछ दुरूस्त होंगी। शिक्षक बेचारे रैकेट के फेर में पड़ निबट जा रहे, उससे तो बचेंगे।

आईएएस को रजिस्ट्रार

छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी ह्यूमन रिसोर्स को लेकर इतने गंभीर थे कि मुख्यमंत्री बनते ही उन्होंने सूबे के दोनों विश्वविद्यालयों में आईएएस को रजिस्ट्रार बनाया। बिलासपुर विश्वविद्यालय में तीन-तीन आईएएस रजिस्ट्रार रहे। डॉ0 एसके राजू, सोनमणि बोरा और शहला निगार। इसी तरह रायपुर विश्वविद्यालय में भी कई साल तक आईएएस कुलसचिव रहे। मगर इसके बाद रजिस्ट्रार का कैडर ही खतम कर दिया गया। अब रविशंकर विवि हो या फिर बिलासपुर के अटलबिहारी बाजपेयी विवि या दुर्ग, सरगुजा और बस्तर विश्वविद्यालय...सभी जगहों पर शिक्षकों को प्रभारी रजिस्ट्रार बना हायर एजुकेशन के सिस्टम को कबाड़ा किया जा रहा है। नए चीफ सिकरेट्री को हायर एजुकेशन की बेहतरी के लिए रजिस्ट्रार कैडर को फिर से जीवित करने का प्रयास करना चाहिए। आईएएस को न सही, राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को तो जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। यदि यूनिवर्सिटी के सिस्टम में सुधार होगा तो कॉलेजों की स्थिति बदलेगी।

6 दिन पहले आदेश का मतलब

छत्तीसगढ़ के 25 साल में 13 मुख्य सचिवों की नियुक्ति हुई हैं। इनमें पहली दफा अबकी सीएस के रिटायरमेंट के छह दिन पहले नए सीएस का आदेश निकाल दिया गया। इससे पहले अभी तक सीएस के रिटायरमेंट के दिन सुबह या दोपहर आदेश निकलता था। अमिताभ जैन के 30 जून को रिटायरमेंट के दिन भी ऐसा ही हुआ था। 12 बजे से कैबिनेट की बैठक बुलाई गई थी और उसमें अमिताभ जैन की विदाई के बाद आदेश निकालने का प्लान था। कैबिनेट में सारे मंत्री एक-एक कर विदाई भाषण दे चुके थे। इस बीच दिल्ली से फोन आ गया। अमिताभ को तीन महीने का एक्सटेंशन के लिए प्रस्ताव भेजिए। और फिर उन्हें सेवा विस्तार मिल गया। इस बार भी 30 सितंबर को अमिताभ जैन की विदाई के लिए फिर से कैबिनेट बुलाई गई है। बैठक में विदाई भाषण भी होगा। मगर फर्क यह रहेगा कि नए सीएस को लेकर कोई सस्पेंस जैसी स्थिति नहीं रहेगी। सरकार ने छह दिन पहले आदेश जारी कर अपना स्टैंड क्लियर कर दिया और अपना कांफिडेंस भी बता दिया। दरअसल, बाकी राज्यों में भी सीएस की नियुक्ति का ट्रेंड बदल रहा।

फास्ट पोस्टिंग का रिकार्ड

अमिताभ जैन भले ही पौने पांच साल की सीएस की पारी खेलकर विदा हो रहे हैं मगर सबसे फास्ट पोस्ट रिटायरमेंट पोस्टिंग का आरपी मंडल का रिकार्ड शायद ही कोई तोड़ पाए। नवंबर 2020 में आरपी मंडल जब मुख्य सचिव से रिटायर हुए तो उन्हें अमिताभ जैन के नए सीएस के आदेश निकलने के 20 मिनट के भीतर नया रायपुर विकास प्राधिकरण के चेयरमैन बनाने का आर्डर जारी हो गया था। छत्तीसगढ़ में अभी तक किसी भी मुख्य सचिव को सेवानिवृत्ति के बाद इतनी फास्ट पोस्टिंग नहीं मिली। सुनिल कुमार को भी तीन महीने लग गए थे। हालांकि, यह बताना जरूरी होगा कि छत्तीसगढ़ के 12 मुख्य सचिवों में से प्रॉपर रिटायरमेंट कम का ही हुआ। एसके मिश्रा, एके विजयवर्गीय, शिवराज सिंह और विवेक ढांड ने पोस्ट रिटायरमेंट पोस्टिंग के लिए समय से पहले वीआरएस ले लिया था। पी0 जॉय उम्मेन ने भी वीआरएस लिया मगर इसके पीछे पद से हटाए जाने की उनकी नाराजगी रही। तीसरे मुख्य सचिव आरपी बगाई की सरकार के साथ रिश्तों की खाई इतनी चौड़ी हो गई थी कि प्रॉपर रिटायरमेंट का सवाल नहीं उठता। विवेक ढांड ने भी वीआरएस लिया था मगर पर्दे के पीछे कुछ और बातें रही। ढांड के बाद अजय सिंह नौंवे मुख्य सचिव बनें। मगर सरकार बदलने पर जनवरी 2019 में उन्हें हटा दिया गया।

रिटायरमेंट का तोहफा

छत्तीसगढ़ में अमिताभ जैन से पहले 11 मुख्य सचिव हुए हैं, उनमें से तीन को छोड़ सभी को सभी को पोस्ट रिटायरमेंट पोस्टिंग मिली है। उन तीन में प्रथम मुख्य सचिव अरुण कुमार, आरपी बगाई और पी0 जॉय उम्मेन शामिल हैं। बताते हैं, अरुण कुमार पोस्टिंग के इच्छुक नहीं थे, इसलिए वे भोपाल चले गए। आरपी बगाई के सरकार से रिश्ते बिगड़ गए थे। और उम्मेन को रमन सरकार ने बिजली बोर्ड का चेयरमैन कंटिन्यू करने का ऑफर दिया था मगर छुट्टी मनाने के दौरान सरकार द्वारा खो कर दिए जाने से वे इतने नाराज थे कि रिटायरमेंट का तोहफा स्वीकार नहीं किया। इन तीनों के अलावे सभी को सरकारों ने रिटायरमेंट का गिफ्ट दिया। सुनील कुजूर को भले ही थोड़ा छोटा मिला मगर उन्हें भी पिछली सरकार ने सहकारिता निर्वाचन आयुक्त बनाया गया।

अमिताभ को सीआईसी?

चीफ सिकरेट्री अमिताभ जैन 30 सितंबर को रिटायर हो रहे हैं। उनके पास राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष का पद है मगर अतिरिक्त प्रभार होने की वजह से सीएस से हटते ही यह ओहदा स्वयमेव समाप्त हो जाएगा। अमिताभ को मुख्य सूचना आयुक्त बनाए जाने की अटकलें कई महीने से चल रही हैं। उन्होंने इसके लिए इंटरव्यू भी दिया है। इस बीच विद्युत नियामक आयोग मे चेयरमैन का पद खाली हो गया है। इस पद के लिए अमिताभ का दावा प्रबल समझा जा रहा था। मगर सिस्टम के रफ्तार से नहीं लगता कि अमिताभ को पोस्टिंग देने फिलहाल कोई विशेष उत्साह दिखाया जा रहा। चेयरमैन के पद को खाली हुए 10 दिन होने जा रहे मगर उर्जा विभाग ने अभी तक विज्ञापन प्रकाशित नहीं किया है। ऐसे में बहुत संभावना है कि रिटायरमेंट के बाद अमिताभ को मुख्य सूचना आयुक्त बनाया जाए। हालांकि, सीआईसी का मामला हाई कोर्ट में लंबित है। किंतु सुनने में आ रहा, कोर्ट में कुछ हलचल हुआ है। स्टे हटते ही सरकार सूचना आयोग में नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ कर देगी। विद्युत नियामक आयोग में रिस्क इस बात का है कि नेशनल लेवल पर इसका विज्ञापन होना है, कोई बाहर का आदमी बड़ा एप्रोच लेकर आ गया तो फिर जोखिम हो जाएगा।

19 बैच के कलेक्टर?

राज्योत्सव से पहले सूबे में कलेक्टरों का ट्रांसफर किए जाने का सरकार का कोई प्लान नहीं था। मगर राजनांदगांव कलेक्टर डॉ0 सर्वेश्वर भूरे के डेपुटेशन पर जाने की वजह से वहां नए कलेक्टर की पोस्टिंग अब अपरिहार्य हो गई है। सर्वेश्वर ज्वाइंट टेक्सटाइल कमिश्नर बनकर मुंबई जा रहे हैं। समझा जाता है कि एक सितंबर से पहले वे यहां से रिलीव हो जाएंगे। जाहिर है, इससे पहले राजनांदगांव में नए कलेक्टर की पोस्टिंग करनी होगी। कलेक्टर के लिए यंग अफसरों की बात की जाए, तो 2018 बैच कंप्लीट हो गया है, 2019 बैच शुरू होना है। 2019 बैच में पांच आईएएस अफसर हैं। वैसे राजनांदगांव विधानसभा अध्यक्ष और 15 साल के मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह का निर्वाचन जिला है। उनकी कोई पसंद अगर सामने आई तो हो सकता है, 2019 बैच से उपर के किसी आईएएस अधिकारी को मौका मिल जाए। हालांकि, अपवादस्वरूप दो-एक बार को छोड़ दें तो राजनांदगांव कभी किसी आईएएस का फर्स्ट डिस्ट्रिक्ट नहीं रहा। राजनांदगांव मुकेश बंसल का तीसरा जिला रहा तो सर्वेश भूरे का चौथा।

बिना मेजर सर्जरी सत्ता बदलाव

30 सितंबर को अमिताभ जैन के रिटायरमेंट से पहले आईएएस की एक ट्रांसफर लिस्ट निकलेगी। जाहिर है, एसीएस रेण पिल्ले और सुब्रत साहू नए मुख्य सचिव विकास शील से सीनियर हैं, इसलिए दोनों को मंत्रालय से शिफ्थ किया जाएगा। हालांकि, दोनों के पास सरकार में कोई खास जिम्मेदारी नहीं है। रेणु के पास साइंस एंड टेक्नालॉजी है और सुब्रत के पास सहकारिता। सहकारिता में वैसे भी सीआर प्रसन्ना सिकरेट्री हैं। ऐसे में, सहकारिता से सुब्रत को हटाया जाएगा तो कोई बड़ा परिवर्तन नहीं होगा। सुब्रत के पास प्रशासन अकादमी है। मगर जहां तक संभावना है अक्टूबर में रेवेन्यू बोर्ड के चेयरमैन का पद खाली हो रहा है। टीपी वर्मा 31 अक्टूबर को रिटायर होंगे। अत्यधिक संभावना है सुब्रत को अक्टूबर एंड में प्रशासन अकादमी के डायरेक्टर जनरल के बदले रेवेन्यू बोर्ड चेयरमैन बना दिया जाए। रही बात रेणु पिल्ले की तो उनके पास इस समय माध्यमिक शिक्षा मंडल और व्यापम चेयरमैन का चार्ज है। साइंस एंड टेक्नालॉजी हटने के बाद उनके पास इन दोनों महत्वपूर्ण परीक्षा एजेंसियों का प्रभार रहेगा। रेणु पिल्ले का साइंस एंड टेक्नालॉजी सरकार किसी और सिकरेट्री को दे देगी। कहने का मतलब यह है कि नए चीफ सिकरेट्री के ज्वाईन करने के बाद सरकार को बहुत ज्यादा उठापटक करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आमतौर पर कई अधिकारियों को सुपरसीड करके जब मुख्य सचिव बनाए जाते हैं तो बड़ी प्रशासनिक सर्जरी होती है। मगर छत्तीसगढ़ में पहले से ही दोनों सीनियर आईएएस अधिकारियों के पास जिम्मेदारी कम कर दी गई थी। दोनों बैचमेट ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ के विभाग यथावत रहेंगे। लिहाजा, सीएम सचिवालय और जीएडी को ज्यादा झंझट नहीं करना पड़ेगा।

डेपुटेशन का तांता

राजनांदगांव कलेक्टर डॉ0 सर्वेश भूरे प्रतिनियुक्ति पर ज्वाइंट टेक्सटाइल कमिश्नर बनकर मुंबई जा रहे हैं। उनके बाद छत्तीसगढ़ से आईएएस अधिकारियों के डेपुटेशन पर जाने का तांता लगने वाला है। 2006 बैच के एक आईएएस दिवाली के बाद दिल्ली जाएंगे। 2009 बैच की महिला आईएएस के सेंट्रल स्पोर्ट्स में जाने की बात सुनाई पड़ रही है। 2010 बैच के एक, 2011 बैच के तीन आईएएस और लाइन में हैं। 2012 बैच के दो आईएएस का अगले साल दिल्ली जाने का प्लान है। जगदलपुर कलेक्टर हरीश एस0 भी निजी कारणों से सेंट्रल डेपुटेशन पर जाने की चर्चा है। असल में, भारत सरकार ने सेंट्रल डेपुटेशन के लिए डायरेक्टर लेवल की एक पोस्टिंग केंद्र में करना अनिवार्य कर दिया है। इसके बिना केंद्र में कभी पोस्टिंग नहीं मिलेगी। वरना, पहले एक समय था...जब छत्तीसगढ़ से एक या दो आईएएस दिल्ली में होते थे। इस समय सर्वेश भूरे को मिलाकर 17 आईएएस डेपुटेशन पर हैं। अगले साल मई-जून तक ये संख्या 25 से उपर पहुंच जाएगी।

अंत में दो सवाल आपसे

1. छत्तीसगढ़ में मुख्य सचिव की नियुक्ति हो गई, पूर्णकालिक डीजीपी के अप्वाइंटमेंट का अटका पेंच कब तक दूर होगा?
2. किस मंत्री और उनके अधीन बोर्ड के चेयरमैन के बीच मनीराम को लेकर खींचतान बढ़ती जा रही है?

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी ओटीटी पर

मुंबई। अभिनेता वरुण धवन जल्द ही फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आएंगे। इसमें उनकी जोड़ी जाह्नवी कपूर के साथ बनी है। दोनों इन

दिनों फिल्म के प्रचार-प्रसार में व्यस्त हैं। उनकी यह फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अब 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की रिलीज से पहले फिल्म की ओटीटी रिलीज से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के ओटीटी राइट्स नेटफ्लिक्स ने खरीद लिए हैं। लिहाजा सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म का प्रीमियर नवंबर, 2025 के अंत तक किया जा सकता है।

नवरात्रि अंजना सिंह का नया देवी गीत शितली मइया रिलीज

पटना। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अंजना सिंह

अपने प्रशंसकों के लिए देवी गीत 'शितली मईया' लेकर आई हैं। इस भक्ति रचना को शिल्पी राज और लाडु मधेशिया ने अपनी मधुर आवाज से सजाया है। इन दोनों की जुगलबंदी ने गाने को एक अनोखी भक्तिमय ऊर्जा प्रदान की है। बोल का श्रेय शैलेश यादव लाला को जाता है, जिन्होंने सरल शब्दों में मां की महिमा का चित्रण किया है। वहीं, संगीत निर्देशन का जिम्मा वी.आर. वर्मा ने संभाला है। गाने की कोरियोग्राफी का कमाल सोनू प्रीतम का है, जिन्होंने इस भक्ति गीत को जीवंत कर दिया है। यह भक्ति गीत जियोसावन, एप्पल म्यूजिक, यूट्यूब, अमेजन म्यूजिक, और स्पॉटिफाई समेत कई प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

सिद्धू की अजब-गजब शायरी पर किताब लिखेंगी

एजेंसी ▸▸ मुंबई

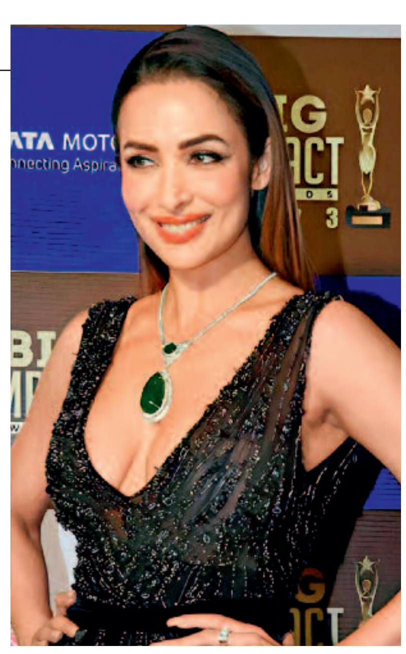

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने नवजोत सिंह सिद्धू की शायरी पर किताब लिखने की इच्छा जताई है। बहुप्रतीक्षित इंडियाज़ गॉट टैलेंट का नया सीजन आखिरकार जल्दी शुरू होने वाला है, और मंच पर जोश, जुनून और जादू का माहौल है। नवजोत सिंह सिद्धू, मलाइका अरोड़ा और शान एक साथ आकर दर्शकों को प्रतिभा, ग्लैमर और मनोरंजन का शानदार संगम दे रहे हैं। हां भारत की कुछ सबसे अजब टैलेंट्स मंच पर गजब मोमेंट्स रच रही हैं, वहीं सिद्धू अपनी अनोखी शैली में शायरी की बौछार कर माहौल को और भी रंगीन बना रहे हैं। प्रतियोगियों की सांसें रोक देने वाली प्रस्तुतियों के बाद सिद्धू की दिल से निकली शायरियां हर प्रस्तुति को यादगार बना देती हैं। उनकी शायरी की अनवरत धारा ने न सिर्फ सभी को चौंका दिया है, बल्कि मलाइका को भी गहराई से प्रभावित किया है। अब वह सिद्धू की इन काव्य रचनाओं से प्रेरित होकर एक किताब लिखने की इच्छा जता रही हैं! एक ऐसे ही पल में, जब सिद्धू ने एक प्रस्तुति के बाद शायरी सुनाई, मलाइका खुद को रोक नहीं पाईं और बोलीं कि सारे जो आप बोल रहे हो न, मुझे लिखना है। प्रोमो में सिद्धू की एक प्रभावशाली पंक्ति दुनिया में सबसे बड़ा रोग, मेरे बारे में क्या कहेंगे लोग कि उन संघर्षों को दर्शाती है जो समाज की आलोचनाओं से दबे रहते हैं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल, लातेहार

शुद्धि–पत्र

इस कार्यालय के द्वारा प्रकाशित ई–निविदा संख्या 06/2025-26/EE/RWD/LATEHAR एवं PR 362371 Rural Development (25-26):D में प्रकाशित निविदा में निम्न संशोधन किये जाते हैं।

1. वेवसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 07.10.2025
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि – 15.10.2025
3. निविदा खोलने की तिथि – 17.10.2025

शेष सभी शर्ते पूर्ववत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल, लातेहार

PR 363140 REO(25-26).D

झारखण्ड सरकार
पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गुमला
(गुमशुदा की तलाश)

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि पीड़िता नाबालिक लडकी सुशमा कुमारी, उम्र–15 वर्ष, पिता– सभरन मुण्डा, सा0– बारडीह, थाना–कुरूमगढ़, जिला– गुमला,(झारखण्ड) को पैसा का लालच देकर दिल्ली ले जाकर वर्ष 2018 में बेच देने के आरोप में कांड दर्ज कराया गया है। इस संबंध में अहतु थाना कांड सं0–04/22, दिनांक 10.06.2022 दर्ज कर खोजबीन किया जा रहा हैं। इनकी खोजबीन हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जन साधारण से अनुरोध है कि उपरोक्त पीड़िता सुशमा कुमारी उम्र 15 वर्ष, के बारे में कोई पहचान/जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक का कार्यालय गुमला या निम्नांकित अंकित मो0 नं0 पर संपर्क कर इसकी सूचना दे सकते है।

1. पुलिस अधीक्षक गुमला – 9431706376
2. पुलिस उपाधीक्षक (मु0) गुमला। 9471182113
3. अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी गुमला – 9431706202
4. थाना प्रभारी, अहतु – 8986604606

पुलिस अधीक्षक, गुमला

PR 363152 Police (25-26)_D

'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का आ रहा दूसरा भाग

मुंबई। भले ही शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की पहली वेब सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' रिलीज के बाद से ही विवादों में है,

लेकिन इसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। यह सीरीज 18 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसमें कुल 7 एपिसोड हैं। इसमें बॉबी देओल, लक्ष्य लालवानी, राघव जुयाल और सहर बंबा मुख्य भूमिका में हैं। अब आखिरकार 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के दूसरे भाग का ऐलान हो गया है।'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में अभिनेता रजत बेदी ने भी अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने इसमें एक ऐसे गुमनाम अभिनेता जारज सक्सेना का किरदार निभाया है, जो 15 सालों से बेरोजगार है और बॉलीवुड में शोहरत पाने के लिए लगातार निर्माताओं का दरवाजा खटखटा रहा है। खास बातचीत में रजत ने सीरीज के दूसरे भाग पर मोहर लगा दी है। इसके साथ उन्होंने बताया कि दूसरे भाग में उन्हें ज्यादा समय तक स्क्रीन पर दिखाया जाएगा।

आ गया बादशाह का नया गाना 'कोकैना'

मुंबई। हिप-हॉप स्टार बादशाह का नया पार्टी एंथम कोकैना रिलीज हो गया है। सारेगामा

म्यूजिक द्वारा रिलीज किए गए इस गाने में बादशाह के साथ पंजाबी सिंगर सिमरन कौर ढडली और अभिनेत्री नताशा भारद्वाज भी हैं। पानी पानी जैसी हिट्स के बाद यह गाना बादशाह और सारेगामा म्यूजिक की एक और सफल पेशकश है। इस ट्रैक का म्यूजिक हितेन ने दिया है, जबकि इसकी कोरियोग्राफी पीयूष और शजिया ने की है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

ड्रायवर

आवश्यकता है- चाय पत्ती की फैक्ट्री में ड्राइवर की भी आवश्यकता है **संपर्क - जैन ट्रेडर्स आकृति बिहार अमलीडी रायपुर 7469980000, 0771-4075490.** (RO-6720)

आवश्यकता है- तेलीबांधा के आस पास घरेलू कार चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। वेतन -15000, 11 घंटे ड्यूटी,सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक **सम्पर्क करे मोबाईल नं.- 97541 60228.** (RO-7229)

आवश्यकता है- ड्राइवर चाहिए : टाटा एस एवं बैटरी वाली ई रिक्शा चलाने हेतु ड्राइवर चाहिए। लोकल दुर्ग भिलाई घुमना है,, भिलाई वाले ही संपर्क करें लाइसेंस अनिवार्य। **9827466771.** (RO-675)

पोल्ट्री फार्म कार्य

आवश्यकता है- रायपुर आरंग के पास लिंगाडीह में पोल्ट्री फार्म में रहकर काम करने वाले मजदूर परिवार की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता,आकर्षक वेतन इच्छुक मजदूर परिवार **संपर्क करें 9340529604, 6263644407.** (RO-6724)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- एम्बीशन मार्केटिंग कंपनी में आवश्यकता हैं लड़के एवं लड़कियों की सैलरी 10.000/- से 15.000/- तक **पता:- सुंदर नगर एक्सिस बैंक के पास रायपुर** Mob. **7722856852, 8962606852.** (RO-291)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

फील्ड एक्जीकेटिव

आवश्यकता है- लोन रिकवरी कार्य के लिए ईमानदार और मेहनती फील्ड एग्जीक्यूटिव की। योग्यता - स्वयं का वाहन एवं मोबाइल, दसवीं पास।कार्य स्थान - लैलूंगा, पत्थलगाँव, रायगढ़, सराईपाली, सारंगढ़, तमनार,रायपुर, भिलाई ,दुर्ग। वेतन - योग्यता अनुसार। **संपर्क सूत्र - CALL / WHATSAPP - 7223099331, 9826179609.** (RO-6723)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार **संपर्क:- खेतान इंटरप्राइजेस, खेतान गेराज बिल्डिंग, वीडियो वर्ल्ड के पास, मौदहापारा रायपुर** (RO-6725)

आवश्यकता है- लड़को की वेतन 10000/-लड़कियो की 7000/- होलसेल बैंग दुकान में **हरिओम प्लास्टिक कपड़ा मार्केट पंडरी गेट नं. 8 के सामने 7440784646.** (RO-507)

घरेलु/टेलीकॉलिंग कार्य

आवश्यकता है- घर का घरेलू कार्य बाई 1 एवं टेली कालिंग कार्य हेतु 2 फीमेल एवं घर बैठे मार्केटिंग हेतु मेल-फीमेल चाहिए पार्ट टाइम/फुल टाइम रहना खाना सुविधा अच्छे रिश्ता हेतु कास्ट नो बार कन्याए बायोडाटा भेजिए **मारवाड़ी मैरिज ब्यूरो भारत माता चौक गुढ़ियारी रायपुर** Shalu- 7828738812 Call Me- 9039321951. (RO-299)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

ड्रायवर/पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- 400/- प्रतिदिन (+) ओवरटाइम 500/- फटाका जमाना, पैकिंग, बिल बनाना, ड्राइवर। लड़कों की आवश्यकता। **सम्पर्क :- तापड़िया फटाका, नेमींचंद गली, तेलघानीनाका चौक, रायपुर** (RO-84)

ऑपरेटर/मार्केटिंग

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में कार्य हेतु 04, पद कंप्यूटर 03 पद पैकिंग 03 पद अकाउंट व मार्केटिंग 02 पद डिलीवरी 02 पद रूम रहने की व्यवस्था है **करमचंद डिस्ट्रीब्यूटर देवपुरी 9827166180.** (RO-6721)

संपादक/एडिटर/एकर

आवश्यकता है- Eye69News यू-ट्यूब चैनल में कर्मचारियों की आवश्यकता। संपादक, एडिटर, कैमरामैन, एंकर, रिपोर्टर के पद खाली! वेतनः योग्यता के अनुसार संपर्क करें: 9893203682, 9098578967.ईमेल:69eyenews@gmail.com **पताः कैलाश नगर हाउसिंग बोर्ड भिलाई, 490026 (दुर्ग)** (RO-4103)

अन्य

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या-950 वनरक्षक फील्डऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (23500+47500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने हेतु आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (अनिल कुमार)- **9208433816.** (RO-1164)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घरबैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है! अगर आपको नौकरी की जरूरत है! तो **संपर्क करें:- 8335914373.** (RO-1173)

Property प्रापर्टी

फ्लैट

फ्लैट- 3 BHK फ्लैट बेचना है. नया पेंटिंग, मॉडुलर किचन, 2 बिग बालकनी, गार्डन एंड मंदिर, पार्किंग की सुविधा, **शिव वाटिका परिसर, अश्विनी नगर, रायपुर 9691842361.** (RO-6726)

मकान

मकान बेचना है- आदर्श नगर दुर्ग, प्राइम लोकेशन में 4000 स्क्वेयर फीट प्लॉट एरिया में निर्मित 3BHK मकान बेचना है। दलाल सम्पर्क न करें। **मो.- 93032 93456.** (आरो नं.-SPD/925)

प्लाट

प्लॉट बेचना है - प्लॉट साइज 21x36 =756 स्क्वायर फीट फ्रंट 21 फीट, लेंथ= 36 फीट, कर्मा धाम मंदिर के पीछे **हनुमान नगर, कृष्णा नगर, वार्ड नंबर 55 संतोषी नगर रायपुर छत्तीसगढ़. हितेन्द्र कुमार साहू सर- 9516851107.** (RO-6718)

For Rent किराया

किराये से देना है- दक्षिण गंगोत्री 15x23 प्रथम तल G+2 कार्नर की दुकान OR 30x23 G+2 पानी बाथरूम कीचन सर्व सुविधा के साथ व्यवसायिक दुकान उपलब्ध है। **मो.-72259-05009, 91313-82266** (आरो नं.-4102)

छोटा विज्ञापन

आवश्यक सूचना

Healthcare

इसे जरूर पढ़िये और समझिये

सुविख्यात चिकित्सक

9617789223, 9303242200

पैरा विश्व तीरंदाजी: 18 साल की शीतल ने जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| ग्वांग्जू

भारत की 18 वर्षीय शीतल देवी ने विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप में महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में तुर्किये की दुनिया की नंबर एक पैरा तीरंदाज ओजनूर क्यूर गिर्डी को 146-143 से पराजित कर स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। स्पर्धा में शीतल एकमात्र बिना बाजू वाली पैरा तीरंदाज हैं। वह निशाना लगाने के लिए अपने पैरों और ठुड्डी का इस्तेमाल करती हैं और यह चैंपियनशिप में उनका तीसरा पदक है। इससे पहले शीतल और सरिता ने कंपाउंड महिला ओपन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता।

शीतल ने संयम से लगाए निशाने

व्यक्तिगत फाइनल तनावपूर्ण था लेकिन शीतल ने संयम से निशाने लगाए। पहला राउंड 29-29 से बराबरी पर था, लेकिन शीतल ने दूसरे राउंड में 10-10 के तीन शॉट लगाकर 30-27 से जीत बढ़त हासिल की। तीसरा राउंड भी 29-29 से बराबरी पर था। चौथे राउंड में शीतल मामूली अंतर से चूक गईं, जिसमें उन्होंने 28 अंक बनाए और गिर्डी एक अंक से इसे जीत गईं। हालांकि फिर भी शीतल ने 116-114 के स्कोर पर दो अंक की बढ़त बनाए रखी।

रणजी ट्रॉफी के लिए छत्तीसगढ़ की टीम तैयार, अमनदीप बने कप्तान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने रणजी ट्रॉफी-2025 के लिए टीम का चयन कर खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। चयनित टीम बी सी सी आ ई द्वारा आयोजित रणजी ट्रॉफी के अंतर्गत दो अहम मुकाबले खेलेगी।

राजस्थान और मुंबई से होंगे पहले दो मुकाबले

पहला मुकाबला 15 से 18 अक्टूबर 2025 तक राजस्थान के खिलाफ और दूसरा मुकाबला 25 से 28 अक्टूबर 2025 तक मुंबई के खिलाफ खेला जाएगा। संघ की ओर से चयनित खिलाड़ियों की सूची में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का संतुलन देखने को मिल रहा है। क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि छत्तीसगढ़ की टीम इस बार दमदार प्रदर्शन करेगी। टीम में 17 खिलाड़ी शामिल हैं। टीम के कप्तान अमनदीप खरे होंगे। टीम में आईपीएल के स्टार खिलाड़ी शशांक सिंह, अजय मंडल, अनुज तिवारी समेत अन्य खिलाड़ी शामिल हैं।

आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप: रश्मिका कपिल ने जीता स्वर्ण

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजों ने डॉ. कर्णी सिंह रेंज में आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दबदबा बनाते हुए शीर्ष दो स्थान हासिल किए। रश्मिका और कपिल ने एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। रश्मिका और कपिल ने खिताबी दौर में वंशिका चौधरी और एंटोनी जोनाथन गेविन की एक अन्य भारतीय जोड़ी को 16-10 से हराया। इनेस ओर्टेगा कास्त्रो और लुकास सांचेज की स्पेन की जोड़ी ने पेरिमाह अमीरी मोहम्मद रेजा अहमादी की ईरान की जोड़ी को 16-14 से हराकर कांस्य पदक जीता।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Gold Medalist, IUK) MD (Pathology, Utkal University)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG), F.M.A.S FRM (Gujarat University), DRM (Germany) स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
उपलब्ध विशेषताएं
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • यौन रोग
• आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सिस्ट, सोनोग्राफी,
• बांझपन का संपूर्ण इलाज
• सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण)
• गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सुविधाएं: पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% OFF
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

पुराना एक्स-शोरूम	नया एक्स-शोरूम	डाउन पेमेंट @	प्रतिदिन EMI	इंस्टेंट डिस्काउंट
~~₹71 890#~~	₹66 273#	₹999$ से शुरू	₹59$ से शुरू	₹10 000$ तक HDFC BANK क्रेडिट कार्ड Powered by pine labs

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero GoodLife
जीतने का मौका
100% कैशबैक | 24 कैरेट सोने का सिक्का
और भी बहुत सुनिश्चित बेनिफिट्स*

Also available on Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Basis data available in public forum for products in 100cc Motorcycle segment. Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. *Limited period offer,T&C apply.+As per cumulative sales numbers till August 2025.#Ex-showroom price of HF Deluxe Pro in Chattisgarh.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलरः रायपुरः छत्तीसगढ़ हीरो, 9289922351, आरसन हीरो, 9289922864, राजधानी हीरो, 9289922414, राजनांदगांवः जय हीरो, 9289922357, धमतरीः सत्योम हीरो, 9289922525, कांकेरः राहुल हीरो, 9289922834, महासमुंदः वत्स हीरो, 9289922623, बलौदाबाजारः अग्रवाल हीरो, 9289922959, आरंगः श्री राम हीरो, 9289922968, बेमेतराः श्री सांई हीरो, 9289922835, कवर्धाः सरस्वती हीरो, 9289922958, जगदलपुरः विजयपाल हीरो, 9289923064, दंतेवाड़ाः जय विजय हीरो, 9289922990, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983, भाटापाराः कुशल हीरो, 9289923052, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्गः उत्सव हीरो, 9289923114, उत्सव हीरो (स्टेशन रोड), 7000595300, एसोशिएट डीलरः रायपुरः संजय ऑटोव्हील, 9289924245, 0771-4266555, पंडरियाः ललित सर्विसेज़, 8770383767, भनपुरीः ओम ऑटो एजेंसी, 6261535855, दोमुहानीः किरण मोटर्स, 9754069392, लवनः गणपति ऑटो, 9926601111/9340379300, भिभौरीः श्री राम मोटर्स, 8462900028/9340005833, गुरूरः श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458/7224880123, बोड़लाः विक्की मोटर्स, 9755583102, पांडातराईः शक्ति ऑटोमोबाइल्स, 9179035073, अभनपुरः राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरियाः अंकित ऑटो, 9425240565, नवागढ़ः श्री मोटर्स, 9165525555/9009866899, राजिमः गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स, 9977280000, खरोराः अग्रवाल मोटर्स, 9424212141, सरायपालीः बंसल ऑटो, 9425513611, डोंगरगढ़ः युवराज मोटर्स, 8085160380, तिल्दाः आरसन मोटर्स, 9340335266, नगरीः हर्ष ऑटो, 8109502100, पाटनः दिव्या ऑटो, 9893492107, बागबाहराः प्रियंका ऑटोकेयर, 9131058752, कोण्डागांवः आहुजा ऑटोमोबाईल्स, 9131794017/9993861888, नारायणपुरः गुरुनानक ऑटो, 9425596290, केशकालः साहिल ऑटो सेल्स, 9893199247, झगरंडीः किरन ऑटोकेयर, 9754069392, फरसगांवः राजा ऑटोमोबाईल्स, 9425594144, बेरलाः कोन्हा मोटर्स, 98931058752/6260472025, कसडोलः बजरंग मोटर्स, 9425511973, बालोदः नैन ऑटोकेयर, 9425563502, सिमगाः माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स, 9301361155, गरियाबंदः छत्तीगढ़ ऑटो केयर, 8319358443, पटोदाः सत्यम ऑटोमोबाईल्स, 9977155055, गुंडरदेहीः एम.एम. ऑटो, 9893542300/ 8720051135, जामुलः जय अम्बे ऑटो एजेंसी, 9826386346, रिसालीः भारत मोटर्स, 9993417123, फिंगेश्वरः अभिषेक ऑटो, 9977737000/9300093200, भिलाई-3ः महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरुदः शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, इटपिनार- कांकेरः अंशू ऑटो, 9406054292, पखांजूरः रिशान सर्विसेज, 6267323235, मोहला पादरः गोविंद ऑटो केयर , 9303664769, कुड़कुदुरः दिलीप मोटर्स, 7869151152, सुकमाः आशुतोष ऑटोमोबाइल, 9425260291, भानुप्रतापपुरः संस्कार मोटर्स, 9406203600, मानपुरः दिलीप ऑटो केयर, 7999054324, लाखोलीः शुभम ऑटो केयर, 9754000069, अम्बागढ़ चौकीः अमर मोटर्स, 9827969901, सालेवाड़ाः साईं मोटर्स, 9754329434, राजिमः राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, सारागांवः जी वी मोटर्स, 7566666243, सरसींवाः श्रीराम ऑटो, 6260060443, बीजापुरः माँ भवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, चारामाः श्री करणी ऑटोमोबाइल, 9827894444, गुढ़ियारीः श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, भखाराः प्रेम ऑटो, 8770027422, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः रायपुरः आरसन हीरो (फाफाडीह), 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला): इंडियन हीरो, 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉपः रायपुरः आरसन मोटर्स (फाफाडीह), 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा), 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः संजय ऑटोमोबाईल्स, 2226732/7474, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुरः आरसन हीरो, 9285052266, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com